हिन्दी दैनिक

अमर ख्याल

जुनून सच का

(महमूदाबाद) सीतापुर से प्रकाशित

सूर्योदय : 06.26 बजे

सूर्यास्त : 05.34 बजे

बुधवार, 22 मार्च 2023

वर्ष-3-अंक 100

मूल्य 2 पृष्ठ 8

e-mail: aknewstv2@gmail.com

RNI TITLE CODE : UPHIN49345

कर्नाटक में 25 को होगा पीएम मोदी का साल का सातवां दौरा

एजेंसी ■ बेंगलुरु

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चिकबल्लापुर, बेंगलुरु और दावणगेरे में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए 25 मार्च को कर्नाटक पहुंचेंगे।एक सरकारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रधानमंत्री 25 मार्च की सुबह शहर में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) हवाई अड्डे पर उतरेंगे और श्री मधुसूदन साई इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च का उद्घाटन करने के लिए हेलीकॉप्टर से चिकबल्लापुर के लिए उड़ान भरेंगे। मोदी व्हाइटफील्ड मेट्रो लाइन का उद्घाटन करने के लिए दोपहर में बेंगलुरु पहुंचेंगे और मेट्रो ट्रेन में सवारी भी करेंगे।

एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इसके बाद वह दावणगेरे जाएंगे और एक जनसभा को संबोधित करेंगे और फिर शिवमोग्गा जाएंगे और फिर दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगे।मोदी का इस साल कर्नाटक का यह सातवां दौरा होगा। प्रधानमंत्री 12 मार्च को मांड्या में बेंगलुरु-मैसूरू एक्सप्रेस-वे और धारवाड़ में आईआईटी परिसर का उद्घाटन करने के लिए कर्नाटक में थे।

हालांकि, आधिकारिक विज्ञप्ति में जनसभा के बारे में विवरण साझा नहीं किया गया है, लेकिन कर्नाटक में अपनी चुनावी तैयारियों के तहत सत्तारूढ़ भाजपा की यह एक बड़ी रैली बताई जा रही है।

भाजपा की कर्नाटक इकाई और मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई सहित उसके नेताओं ने कहा है कि मोदी 25 मार्च को दावणगेरे के जिला मुख्यालय में एक बड़ी रैली में भाग लेंगे, जो 8,000 किलोमीटर लंबी विजय संकल्प यात्रा के समापन के अवसर पर होगी।विशेष रूप से डिजाइन किए गए वाहनों या रथों में राज्य के चार अलग-अलग हिस्सों से शुरू हुए 20 दिवसीय राज्यव्यापी यात्रा की शुरुआत एक मार्च को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने चामराजनगर जिले के माले महादेश्वर हिल्स में की थी।भाजपा के कई वरिष्ठ नेता, अन्य भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों ने इन कार्यक्रम में भाग लिया है।कर्नाटक में चुनावी तैयारियां शुरू होने के बाद से यह पार्टी की पहला बड़ा कार्यक्रम है जिसमें प्रधानमंत्री शामिल होंगे।

पार्टी पदाधिकारियों के अनुसार, इस कार्यक्रम का उद्देश्य विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश भरना है।

राहुल, अडाणी पर संसद में हंगामा जारी, सातवें दिन भी गतिरोध रहा

■ नई दिल्ली

भारत के लोकतंत्र के बारे में राहुल गांधी के लंदन में दिए गए बयान और अडाणी समूह से जुड़े मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने की मांग को लेकर सत्ता पक्ष और कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण मंगलवार को भी संसद के दोनों सदनों में पूरे दिन गतिरोध बना रहा। सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के हंगामे के कारण दोनों सदन दो बार के स्थगन के बाद 23 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिए गए। दोनों सदन में प्रश्नकाल एवं शून्यकाल हंगामे की भेंट चढ़ गए। हालांकि लोकसभा में हंगामे के बीच जम्मू कश्मीर का 2023-24 का बजट तथा केंद्र के आम बजट से जुड़ी वित्त वर्ष 2022-23 की अनुदान की अनुपूरक मांगों को बिना चर्चा के ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। दोनों ही सदनों में बुधवार को चैत्र शुक्लादि, गुड़ी पड़वा आदि त्योहारों के कारण बैठक नहीं होगी।लोकसभा में आज प्रश्नकाल आरंभ होने के साथ ही विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए आसन के निकट पहुंच गए। उन्होंने वी वांट जेपीसी के नारे लगाए। भारतीय जनता पार्टी के भी कुछ सदस्यों ने राहुल गांधी से उनके बयान के लिए माफी की मांग करते हुए नारेबाजी की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों से सदन चलने देने की अपील की। उन्होंने कहा, मैंने सभी दलों के नेताओं से व्यक्तिगत रूप से आग्रह किया था, यहां भी कर रहा हूं कि सदन चलने दें।

बजट सत्र महत्वपूर्ण है। हंगामा नहीं थमने पर उन्होंने पूर्वाह्न 11 बजकर करीब सात मिनट पर सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

सदन की कार्यवाही दो बजे फिर शुरू होने पर पीठासीन सभापति राजेन्द्र अग्रवाल ने आवश्यक कागजात सभापटल पर रखवाए। निचले सदन में शोर-शराबे के बीच भाजपा के सदस्य जुगल किशोर शर्मा ने कहा कि जम्मू कश्मीर के बजट पर चर्चा होने जा रही है, ऐसे में क्षेत्र के लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए विपक्ष के सदस्यों को अपने स्थान पर बैठना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश इस बजट में केंद्र शासित प्रदेश के हर वर्ग और हर क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखा गया है और एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का प्रावधान किया गया है।

अगले आठ दिनों में चार राज्यों में विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अगले आठ दिनों में कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे, जिसके लिए वह चार राज्यों की यात्रा करेंगे, जिसमें दो बार कर्नाटक की यात्रा भी शामिल है। गृह मंत्री बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जम्मू एवं कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में स्थित शारदा देवी मंदिर का उद्घाटन करेंगे। मंदिर का निर्माण श्री श्रृंगेरी मठ और सेवा शारदा समिति कश्मीर द्वारा किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि शाह बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में 64 कलाओं पर आधारित एक वैदिक विरासत पोर्टल और आभासी संगीत का उद्घाटन करेंगे।

गृह मंत्री 24 मार्च को कर्नाटक जाएंगे, जहां वह बेंगलुरु में मादक पदार्थों की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा पर दक्षिणी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के क्षेत्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।अधिकारियों ने बताया कि वह बेंगलुरु में सहकार समृद्धि सौधा की आधारशिला रखेंगे और सहकारिता मंत्रालय के विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन करेंगे।

गैरजिम्मेदार विपक्ष संसद चलने नहीं दे रहा : पीयूष

■ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को आरोप लगाया कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को वैश्विक मान्यता मिल रही है, वहीं दूसरी ओर विपक्ष अपनी गैर जिम्मेदाराना टिप्पणियों और निराधार आरोपों से जानबूझकर संसद की कार्यवाही बाधित कर रहा है।

संसद में गतिरोध को दूर करने के प्रयासों के तहत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठकों में विपक्षी दलों के ना आने पर संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी के साथ गोयल ने विपक्ष पर जगदीप धनखड़ से मिलने से इनकार कर बार-बार उनका अपमान करने का भी आरोप लगाया।गोयल ने कहा कि सभापति द्वारा बुलाई गई बैठक में मंगलवार को भी कांग्रेस समेत कुछ दल शामिल नहीं हुए। हालांकि वे अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा बुलाई गई बैठक में मौजूद थे।कांग्रेस ने गोयल पर पलटवार करते हुए कहा कि यह आरोप सदन के नेता की ओर से लगाया जा रहा है, जिन्होंने अपने सांसदों से राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को बोलने से रोकने को कहा।कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, आज सुबह राज्यसभा के सभापति ने विपक्ष के नेता खरगे जी को बोलने की अनुमति दी। वह अपनी बात रखने के लिए उठे, लेकिन भाजपा सांसदों ने नारेबाजी करके उन्हें बोलने नहीं दिया। इसके बाद सभापति ने राज्यसभा की बैठक दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी। उन्होंने सवाल किया कि यदि मोदी सरकार का ऐसा ही व्यवहार रहा, तो गतिरोध कैसे टूटेगा?

एक अन्य ट्वीट में रमेश ने कहा, प्रधानमंत्री से जुड़े अडाणी घोटाले की जेपीसी की विपक्ष की मांग को पूरी तरह निराधार आरोपों पर राहुल गांधी से माफी मांगने की भाजपा की मांग से कैसे जोड़ा जा सकता है। जेपीसी गठित करने की मांग एक वास्तविक घोटाले पर है। माफी की मांग अडाणी घोटाले से ध्यान भटकाने के लिए उठाई जा रही है, जोकि एक धोखा है। गोयल ने संवाददाताओं से कहा कि ऐसे समय में जब केंद्रीय बजट की चौतरफा प्रशंसा हो रही है, मोदी को दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में पहचाना जा रहा है और भाजपा ने पूर्वोत्तर राज्यों में चुनाव जीते हैं, विपक्षी दल, विशेष रूप से कांग्रेस और उसके सहयोगी देश को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

राज्यसभा के सभापति द्वारा बुलाई गई कार्य मंत्रणा समिति की बैठक और लोकसभा अध्यक्ष द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में संसद के बजट सत्र में जारी गतिरोध को दूर करने में कोई सफलता नहीं मिलने के बाद उन्होंने विपक्ष पर हमला बोला। संसद परिसर के पहले तल से विपक्षी सदस्यों के विरोध प्रदर्शन के बीच गोयल ने कहा कि वे सुर्खियों में बने रहने के लिए तुच्छ हथकंडे अपना रहे हैं।

विपक्ष अपना रहा है तुच्छ हथकंडे : गोयल

संसद परिसर के पहले तल से विपक्षी सदस्यों के विरोध प्रदर्शन के बीच गोयल ने कहा कि वे सुर्खियों में बने रहने के लिए तुच्छ हथकंडे अपना रहे हैं, क्योंकि उनके पास कोई ठोस तर्क नहीं है। राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध को दूर करने की पहल करते हुए सभापति जगदीप धनखड़ ने विभिन्न दलों के नेताओं के साथ दो दौर की बैठक की। पहली बैठक में कई विपक्षी दलों के नेताओं ने बहिष्कार किया, जबकि दूसरी बैठक में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा), तृणमूल कांग्रेस, भारत राष्ट्र समिति, द्रविड़ मुनेत्र कषगम जैसे विपक्षी दल तो आए, लेकिन कांग्रेस का कोई प्रतिनिधि इसमें शामिल नहीं हुआ।

सीबीआई चोकसी के रेड नोटिस की बहाली के लिए कदम उठा रही

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई)ने पंजाब नेशनल बैंक से 13,000 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी मामले में वांछित भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी के खिलाफ रेड नोटिस बहाल करने के लिए कमीशन फॉर कंट्रोल ऑफ इंटरपोल फाइल्स (सीसीएफ) से संपर्क किया है। एजेंसी ने एक बयान में यह जानकारी दी। इंटरपोल ने सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय के अनुरोध पर 2018 में चोकसी के खिलाफ रेड नोटिस जारी किया था। इसके खिलाफ चोकसी की अपील 2020 में खारिज कर दी गई थी। एजेंसी ने कहा, अपने कथित अपहरण के प्रयास के लगभग एक साल बाद वर्ष 2022 में चोकसी ने 2020 के सीसीएफ के पूर्व के फैसले को संशोधित करने के लिए उससे संपर्क किया। सीसीएफ, इंटरपोल के भीतर एक अलग निकाय है, जो इंटरपोल सचिवालय के नियंत्रण में नहीं है और इसमें मुख्य रूप से विभिन्न देशों के निर्वाचित वकील नियुक्त हैं।

गुड़ी पड़वा, उगादी आदि त्योहारों के कारण आज संसद में अवकाश

एजेंसी ■ नई दिल्ली

चैत्र शुक्लादि, गुड़ी पड़वा, नव संवत्सर आदि त्योहारों के कारण संसद के दोनों सदनों में बुधवार को अवकाश रहेगा। अब लोकसभा और राज्यसभा की बैठक 23 मार्च को होगी। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे बैठक के फिर शुरू होने पर कहा कि 22 मार्च को देश के विभिन्न भागों में चैत्र शुक्लादि, उगादी, गुड़ी पड़वा, चेटी चंड, नवरोज सहित विभिन्न त्योहार मनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कई सदस्यों ने यह अनुरोध किया था कि सदन की बैठक 22 मार्च के बजाय उसके अगले दिन हो ताकि वे इन त्योहारों में भाग ले सकें।

सभापति ने कहा कि सदस्यों के अनुरोध को देखते हुए सदन की बैठक 22 मार्च को नहीं होगी। उन्होंने सदस्यों और देशवासियों को ये त्योहार खुशी के साथ मनाने की शुभकामनाएं दीं।पीठासीन सभापति राजेन्द्र अग्रवाल ने कहा कि कल चैत्र शुक्लादि, गुड़ी पड़वा, नव संवत्सर, चेटी चंड जैसे त्योहार मनाए जाने को लेकर देशवासियों को बधाई दी।

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के समन्वयक जॉन किर्बी ने पुष्टि नहीं की

चीनी घुसपैठ : सूचना की पुष्टि से अमेरिका का इंकार

एजेंसी ■ वाशिंगटन

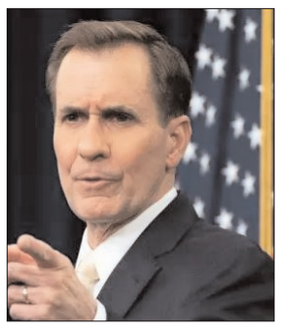

व्हाइट हाउस ने सोमवार को उस खबर की पुष्टि करने से इनकार कर दिया जिसमें दावा किया गया है कि अमेरिका ने पिछले साल भारतीय सेना को महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी मुहैया कराई थी जिससे उसे चीनी घुसपैठ से सफलतापूर्वक निपटने में मदद मिली। व्हाइट हाउस में रणनीतिक संचार के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के समन्वयक जॉन किर्बी ने खबर के बारे में पूछे जाने पर यहां एक दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, नहीं, मैं इसकी पुष्टि नहीं कर सकता।

यूएस न्यूज ने एक विशेष खबर में दावा किया था कि भारत, अमेरिकी सेना के अभूतपूर्व खुफिया सूचना साझा करने के कारण पिछले साल के अंत में हिमालय के उंचाई वाले सीमा क्षेत्र में चीन की सैन्य घुसपैठ का जवाब दे पाया। अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास नौ दिसंबर को भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच संघर्ष और टकराव में दोनों पक्षों के कुछ सैनिक मामूली रूप से घायल हो गए थे।

रिपोर्ट के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्र में अमेरिकी खुफिया समीक्षा (जिसे जारी नहीं किया गया) की रिपोर्ट की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया कि अमेरिकी सरकार ने पहली बार अपने भारतीय समकक्षों को चीन की स्थिति और सुरक्षा बल की ताकत के बारे में वास्तविक समय का विवरण प्रदान किया। रिपोर्ट में कहा गया है, सूचना में कार्वाई योग्य उपग्रह की तस्वीरें शामिल थीं और इसमें अधिक विस्तृत जानकारी दी गई थी। अमेरिकी सेना ने इससे पहले कभी इतनी तेजी से ऐसी जानकारी भारतीय सेना के साथ साझा नहीं की थी।

अडाणी, चोकसी भाजपा के सबसे अच्छे दोस्त : ममता

कोलकाता। प. बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि व्यवसाई गौतम अडाणी और भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी केंद्र और भाजपा की सरकार के सबसे अच्छे दोस्त हैं और भगवा पार्टी इन्हीं लोगों के लिए काम कर रही है।ममता बनर्जी ने यह आरोप इंटरपोल की रेड कॉर्नर नोटिस सूची से मेहुल चोकसी का नाम हटाए जाने के एक दिन बाद लगाया है। बैंकों के पास पैसा नहीं है और लोगों को 100 दिन की कार्य योजना के लिए काम करने के बाद भी वेतन नहीं मिल रहा है। उन्होंने दावा किया, देश चंद लोगों से चलता है।

टर्टल सर्विलांस एलायंस के निदेशक पर मामला दर्ज करें : एनसीडब्ल्यू

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाली एक गैर लाभकारी संस्था (एनजीओ) के निदेशक के खिलाफ कुछ पूर्व कर्मचारियों द्वारा यौन उत्पीड़न का आरोप लगाए जाने के मद्देनजर उत्तर प्रदेश पुलिस से इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज करने को कहा है। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को लिखे पत्र में एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कहा कि आयोग को वूमेन ऑफ द वाइल्ड इंडिया के इंस्टाग्राम पोस्ट का पता चला है, जिसमें टीएसए (टर्टल सर्विलांस एलायंस) के साथ पहले काम कर चुकीं कुछ महिलाओं ने, संगठन के एक निदेशक पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है।घटनाएं शर्मनाक और कठोरतम शब्दों में आलोचना के योग्य हैं। आयोग ने घटना पर गंभीरता से संज्ञान लिया है, इसलिए आपसे अपेक्षा है कि मामले की समयबद्ध तरीके से निष्पक्ष जांच के लिए आप संबंधित पुलिस अधिकारी को निर्देश देंगे। आयोग ने उत्तर प्रदेश पुलिस को टीएसए के निदेशक डॉक्टर शैलेन्द्र सिंह के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज करने को कहा है।

मुझे लोकसभा में जवाब देने का मौका मिले : राहुल गांधी

● राहुल का बिरला से आग्रह- मेरे खिलाफ मंत्रियों ने बेबुनियाद आरोप लगाए।

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से आग्रह किया है कि उन्हें सदन में जवाब देने का अधिकार है, क्योंकि उनके खिलाफ सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों ने पूरी तरह से निराधार और अनुचित आरोप लगाए हैं। उन्होंने बिरला को लिखे पत्र में नियम 357 का हवाला दिया और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ सांसद रविशंकर प्रसाद का उदाहरण दिया कि प्रसाद ने बतौर मंत्री संसद में ज्योतिरादित्य सिंधिया की ओर से की गई टिप्पणी का जवाब देने के लिए इस नियम का हवाला दिया था।

राहुल गांधी ने कहा, मैं आपसे फिर ऐसा ही आग्रह कर रहा हूं। मैं संसद की परिपाटी, संविधान में निहित नैसर्गिक न्याय, नियम 357 के तहत आपसे अनुमति मांग रहा हूं। उन्होंने कहा कि मंत्रियों द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर उन्हें नियम 357 के तहत जवाब देने की अनुमति मिलनी चाहिए।

राहुल गांधी ने बिरला को यह पत्र 18 मार्च को लिखा था। ब्रिटेन से लौटने के बाद राहुल गांधी ने पिछले सप्ताह बिरला से मुलाकात की थी।

भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस नेता ने विदेशी धरती से भारत का अपमान किया है और भारत में विदेशी हस्तेक्षप का आग्रह किया है।

संसदीय समिति की सिफारिश

केंद्रीय बजट की एक प्रतिशत राशि विदेश मंत्रालय को आवंटित की जाए

■ नई दिल्ली

संसद की एक समिति ने मंगलवार को कहा कि विदेश मंत्रालय को विदेशों में अपने मिशनों में मानव संसाधन को मजबूत बनाने पर ध्यान देना चाहिए और वैश्विक स्तर पर भारत के अपने प्रभाव में विस्तार करने के प्रयासों की दृष्टि से संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों में अपने मिशन स्थापित करने चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के सांसद पी पी चौधरी की अध्यक्षता वाली विदेश मंत्रालय से जुड़ी स्थाई समिति की रिपोर्ट में यह बात कही गई है। यह रिपोर्ट लोकसभा में पेश की गई।

समिति ने अपनी सिफारिश में कहा कि दुनिया के देशों में भारत के प्रभाव को बढ़ाने के चुनौतीपूर्ण कार्य को देखते हुए सरकार को विदेश मंत्रालय के बजट को कुल वार्षिक बजट का कम से कम एक प्रतिशत करना चाहिए।

समिति ने कहा कि संशोधित बजट में विदेश मंत्रालय विभिन्न मंत्रालयों में सबसे कम वित्तपोषित मंत्रालय में शामिल है और वर्ष 2020-21 से इसका बजट सरकार के कुल बजटीय आवंटन का महज 0.4 प्रतिशत रहा है।

इसमें कहा गया है कि भारत के राजनयिक पहुंच के स्तर और विदेश नीति के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए समिति यह महसूस करती है कि मंत्रालय का आवंटन भारत सरकार के कुल बजट का एक प्रतिशत करना व्यवहारिक और हासिल करने योग्य रहेगा।

समिति ने यह भी कहा कि राशि का उपयोग करने की क्षमता के बिना आवंटन बढ़ाना अर्थहीन होगा। समिति ने विदेश मंत्रालय से अपनी क्षमता बढ़ाने का खाका तैयार कने को कहा। रिपोर्ट के अनुसार, समिति ने भारत के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना दायरा बढ़ाने के अनुरूप मंत्रालय से कैडर की शक्ति बढ़ाने को भी कहा। उसने कहा कि हमारे विदेशों में स्थित मिशनों को कुशल एवं प्रशिक्षित राजनयिकों एवं कर्मियों से युक्त होना चाहिए।

जरा हट के... बग्गा

सम्मेलन

अफ्रीकी बच्चों के लिए न्याय की मांग

सी-20 सम्मेलन में दुनिया में बढ़ती असमानताओं पर चर्चा

एजेंसी ■ नागपुर

महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित सिविल 20 इंडिया (सी-20) सम्मेलन के दूसरे दिन दुनिया में, विशेष तौर पर उप सहारा अफ्रीका में बढ़ती असमानताओं पर चर्चा हुई। उप-सहारा अफ्रीका में बड़ी संख्या में स्कूली शिक्षा से वंचित बच्चे मजदूरी करने को मजबूर हैं। सम्मेलन का विषय नागरिक समाज संगठन और मानव मूल्यों का संवर्धन था। सी-20, जी-20 के आधिकारिक समूहों में से एक है जो जी-20 के वैश्विक नेताओं तक अपनी बात पहुंचाने के दुनिया भर के नागरिक समाज संगठनों को एक मंच प्रदान करता है। 100 मिलियन अभियान के वैश्विक निदेशक ओवेन जेम्स ने एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा कि 2015 के बाद से 2.15 डॉलर प्रति दिन से कम पर गुजारा करने वाले उप-सहारा अफ्रीकियों की संख्या में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि उप-सहारा अफ्रीका में बाल श्रम और स्कूली शिक्षा से वंचित बच्चों की संख्या भी बढ़ रही है।उन्होंने कहा कि महाद्वीप में बेहतरीन प्राकृतिक संसाधन हैं, लेकिन अभी भी अविकसित है क्योंकि मुनाफे को दूसरी जगह स्थानांतरित किया जा रहा है।विज्ञप्ति के मुताबिक, बैठक में सेवा-सेवा की भावना, परोपकार और स्वयंसेवा, वसुधैव कुटुम्बकम-विश्व एक परिवार है, विविधता, समावेशन, पारस्परिक सम्मान और मानव अधिकारों पर चर्चा की गई।

सेवा इंटरनेशनल के वैश्विक समन्वयक श्याम परांडे ने कहा कि सम्मेलन में भाग लेने वालों को गौतम बुद्ध के अप्पो दीप भव (स्वयं प्रकाश बनो) के संदेश का अनुसरण करना चलना चाहिए।परांडे ने कहा, भारत में मूल्यों का एक लंबा इतिहास रहा है और ए भारतीय मूल्य वैश्विक मूल्यों से मेल खाते हैं।भारतीय सामाजिक उत्तरदायित्व नेटवर्क के सीईओ संतोष गुप्ता ने कहा कि जब हम सेवा करते हैं, तो हमारी आत्मा में यह भावना होती है कि हमें किस वजह के लिए काम करना चाहिए। स्वयंसेवा और परोपकार से बेहतर है सेवा और इसे (सेवा को) दुनिया के प्रमुख धर्मों में परिभाषित किया गया है।

बारिश ने किसानों के अरमान पर पानी फेर दिया

आज भी भारत में खेती बारिश के भरोसे ही फलती-फूलती है। मानसूनी बारिश का इंतजार किसान शिद्दत से करता है। लेकिन यदि यही बारिश बेमौसमी हो तो आफत का सबब बनती है। पिछले कुछ दिनों से पश्चिमी विक्षोभ से होने वाली बारिश ने किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें ला दी हैं। दरअसल, खेतों में गेहूं की फसल पक चुकी है। किसान अनाज खलिहानों से निकालकर मंडी ले जाने की तैयारी में है। इसी तरह सरसों की फसल भी पक चुकी है। पिछले दिनों से उत्तर भारत के कई राज्यों में हुई बेमौसमी बरसात से गेहूं-सरसों की फसल को काफी नुकसान हुआ। जहां सरसों में बीज तैयार हो चुका था, ओलावृष्टि से वो बिखरा है। दूसरी ओर जो सरसों मंडियों तक पहुंची थी, वह बारिश से भीग गयी। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में ग्लोबल वार्मिंग से जो तापमान वृद्धि हुई है, उससे मौसम के मिजाज में तीव्र परिवर्तन आया है। कुल मिलाकर हमारी खाद्य श्रृंखला पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। पिछले साल भी ऐसा ही हुआ था कि समय से पहले तापमान वृद्धि से भरी-पूरी फसल के बावजूद गेहूं का दाना छोटा रह गया था। जिससे उत्पादकता में कमी आई और किसान को नुकसान उठाना पड़ा। ऐसे में जब बारिश हुई तो कयास लगाये जा रहे थे कि तापमान में कमी आना गेहूं की फसल के लिये लाभदायक रहेगा। लेकिन तेज बारिश ने किसानों के अरमान पर पानी फेर दिया है। किसान व हरियाणा में नेता विपक्ष मांग कर रहे हैं कि फसलों को हुए नुकसान का आकलन करके तुरंत किसानों को राहत राशि दी जाये। बेशक, यह वक्त की जरूरत भी है।पिछले दिनों देश के विभिन्न भागों में किसान आलू-प्याज की भरपूर फसल होने के बावजूद कीमतों में आयी गिरावट का त्रास झेल रहे थे। कहीं सड़कों पर आलू बिखेरने व आलू की फसल पर ट्रेक्टर चलाने की खबरें आ रही थीं तो नासिक में प्याज उत्पादकों के आंदोलन की सुगबुगहाट थी। वहीं किसान संगठन भी अपनी पिछली मांगों पर केंद्र का सकारात्मक प्रतिसाद न मिलने के बाद दिल्ली में फिर एकजुट हुए हैं। बहरहाल, बारिश के चलते फसलों को होने वाले नुकसान ने किसानों की मुसीबतें और बढ़ा दी हैं।

मानसूनी बारिश का इंतजार किसान शिद्दत से करता है। लेकिन यदि यही बारिश बेमौसमी हो तो आफत का सबब बनती है। पिछले कुछ दिनों से पश्चिमी विक्षोभ से होने वाली बारिश ने किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें ला दी हैं। दरअसल, खेतों में गेहूं की फसल पक चुकी है।

वैदिक विचार –स्वामी विद्यानंद 'विदेह'

मित्रस्य

शंसा मित्रस्य वरुणस्य धाम शुष्मो रोदसी बद्बधे महित्वा।
अयन मासा अयज्वनामवीराः प्र यज्ञमन्मा वृजनं तिरते॥।

चंद्रमा का धाम भी प्रशंसनीय है। वह पृथिवी की परिक्रमा करता हुआ और पक्षतः कालान्वित होता हुआ, अपनी चन्द्रिका छिटकाकर प्राणियों को प्रमुदित करता है, सिन्धुओं में स्यन्दन करता है, वनस्पतियों में रसों का संचार करता है, प्राणियों को जीवन शक्ति से अनुप्राणित करता है। चंद्रयान से संसार की अमित सौख्यवृद्धि होती है। चंद्र स्थावर जंगम का रस है। सूर्य-चंद्रमा अनिमेष यज्ञ करते रहते हैं। उनका यज्ञ सदा परार्थ है, स्वार्थ नहीं। सब तप, ताप, तेज, वर्च, भर्ज सूर्य का अपना है। किंतु चंद्रमा के पास जो चंद्रिका है वह सूर्य के प्रकाश की प्रतिच्छाय है। चंद्रमा सूर्य से प्रकाश लेकर उसे चंद्रिका के रूप में बिखेरता रहता है। सूर्य और चंद्रमा दोनों ही विश्व के लिए अपना सर्वस्य स्वाहा करते रहते हैं। सूर्य-चंद्रमा सततयाजी हैं। और इसीलिए उनका धाम प्रशंसनीय है, परम प्रशंसनीय है। सूर्य चंद्रमा दोनों स्वस्तिपथ पर निरंतर अग्रसर रहते हैं। किसी से ईर्ष्या, द्वेष, घृणा, ग्लानि, पक्षपात या वैमनस्य नहीं करते। वे न किसी से भेद करते हैं और न ही भिन्नता। वे सबका समान उपकार और सबके प्रति समान व्यवहार करते हैं। वे अपने व्रत में सदा सुस्थित और अपने-अपने नियम में सदा सुस्थिर रहते हैं।

भगवान का प्रिय कौन है

निष्काम भाव से श्रद्धा पूर्वक अपने नित्य नैमित्तिक कर्तव्यों का पालन करना उत्तम क्रिया योग का अनुष्ठान, ईश्वर के दिव्य स्वरूप का दर्शन स्पर्श, पूजन स्तुति वंदना करना ,सभी प्राणियों में ईश्वर के दर्शन करना, धैर्य और वैराग्य का आलंबन लेकर विद्वानों,सतपुरुषों का सम्मान करना दीनों के प्रति दया भाव तथा सामान् वालों से मैत्री भाव भागवत लीला का कीर्तन और श्रवण, अहंकार का त्याग कर भगवान के गुणानुवाद श्रवण में व्यस्त रहता है ऐसा व्यक्ति भगवान को बहुत ही प्रिय होता है। आज का दिन आपके लिए मंगलमय एवं कल्याणकारी हो। जय श्री राधे

डॉ. विनोद दीक्षित

पत्र मिला

यौन शोषण पर सियासत

केंद्र सरकार, भाजपा बनाम राहुल गांधी की ऐसी सियासत देशहित में नहीं है। इससे हंगामा, उत्तेजना, अराजकता का माहौल तो बन सकता है, लेकिन देश और उसके नागरिकों को कुछ हासिल नहीं होगा। बलात्कार और यौन शोषण जघन्य अपराध हैं। यदि उनकी आड़ में भी एक-दूसरे को अपमानित करने की मंशा महसूस हो, तो इन अपराधों के संदर्भ में न्याय कब होगा? राजधानी दिल्ली में ही यौन शोषण के औसतन 40 मामले हररोज़ सामने आते हैं। खौफनाक और बर्बर मामले भी राजधानी के हिस्से दर्ज होते रहे हैं। न्याय के सवाल पुलिस और अदालत दोनों पर हैं, क्योंकि यौन शोषण, उत्पीडन् के अधिकतर मामलों में पुलिस का सक्रिय सरोकार बहुत कम देखा गया है। हमारा फोकस फिलहाल दिल्ली पुलिस पर है, क्योंकि उसी के विशेष आयुक्त, जिला उपायुक्त स्तर के अधिकारी पूरे पुलिस बल के साथ कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के आवास पर गए थे। करीब अढाई घंटे तक पूछताछ की गई। कांग्रेस नेता न तो आरोपित हैं और न ही उनके खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज है। उनकी भूमिका महज इतनी है कि बीती 30 जनवरी को श्रीनगर में 'भारत जोड़ो यात्रा' के समापन पर उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि कुछ महिलाओं ने उनसे मिल कर अपनी पीड़ा, अपने दर्द साझा किए थे।

रश्मि जोशी,नई दिल्ली

अमर ख्याल

या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता

डॉ. विनोद दीक्षित

लेखक धर्म-अध्यात्म के जानकार हैं

हमारे देश में जितने भी उत्सव , पर्व और व्रतो का विधान है उनके पीछे अध्यात्म के साथ वैज्ञानिकता जुड़ी हुई है। नवरात्र का पर्व भी चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा से आरंभ होता है। इसे वासंतीक नवरात्र कहा जाता है। नवरात्र पर भी इन्हीं वैज्ञानिक व्यवस्था का उन्मेष है ।वस्तुतः देखा जाए तो नवरात्र एक संधि पर्व है जो दो ऋतुओ और बदलते मौसम के बीच आता है ।वासंती नवरात्र वसंत ऋतु और ग्रीष्म ऋतु के संधि काल के बीच आता है। कहने का अभिप्राय यह है कि वासंती नवरात्र शीतकाल से ग्रीष्म काल की ओर बढ़ते हैं तब आता है और शारदीय नवरात्र वर्षा ऋतु की समाप्ति के पश्चात शीत ऋतु की ओर अग्रसर होते हैं तब आता है ।इन नवरात्रों में विशेष रूप से 9 दिन के महत्व को प्रतिपादित किया जाना आवश्यक है हमारी श्रृष्टि में नवग्रह विद्यमान है और यह प्रकृति नवग्रह पर्व पर ही आधारित है। इन ग्रहों का प्रभाव सीधा मानव जीवन पर पड़ता है ।इस नवग्रह में नव दुर्गा की स्थापना होती है जो शक्ति का प्रतीक है। नवरात्र शब्द नवीनता का प्रतीक है नमो नमो भगवती जाए मनो रूप में नमो शक्तियों के जागरण की रात्रि नवरात्रि कहलाती है। नवरात्रि में रात्रि शब्द जोड़ने का एक विशेष प्रयोजन है। रात में अधिकांशत है अवरोध समाप्त हो जाते हैं सूर्य की अल्ट्रावायलेट किरणें रात्रि में अधिक प्रभावशाली नहीं होती है। इस अवसर पर जो मंत्र जाप किया जाता है उसकी ध्वनि तरंगे सूर्य की किरणों से प्रभावित नहीं होती है, इनसे अधिक से अधिक लोकमंगल हो यह नवरात्र में रात्रि का महत्व बताता है। एक दूसरा कारण प्रकृति और पर्यावरण में है होने वाले परिवर्तन से है हमारी परंपरा के अनुसार शीत ऋतु की फसल को ग्रीष्म ऋतु में उपयोग में लिया जाता है और ग्रीष्म ऋतु की फसल को शीत ऋतु में हमारा शरीर प्रकृति के अनुकूल से संधि करता है इसके साथ ही नवरात्रि आ नव शक्तियों के जागरण की प्रार्थना नवरात्र कहलाती है गीता में भगवान श्री कष्ण ने कहा है कि जब संसार होता है तब योगी जागता है रात्रि काल में शरीर की समस्त गतिविधियां शिथिल हो जाती है मन की चंचलता भी न्यून हो जाती है बाहरी व्यवधान भी नहीं रहता है और देवगन विचरण करने लग जाते हैं ऐसे ही समय में साधक अपनी साधना करता है नवरात्र मातृ शक्ति की आराधना का पर्व है हमारे देश को विश्वास है कि मातृशक्ति संसार के मानवों को शंकर से बचाती है यहां तक कि देवगढ़ भी आसुरी शक्तियों से पीड़ित हुए तब उनकी रक्षा के लिए मातृशक्ति नहीं अस्त्र-शस्त्र धारण किए थे और देवों के सम्मान की रक्षा की थी।

मार्कंडेय पुराण की दुर्गा सप्तशती के अनुसार दुर्गा श्रद्धा क्षमा छाया शक्ति माता के रूप में हमारा पोषण करती है। नवरात्र पर्व समग्र अनुशासन की चर्चा करता है जिसका वर्णन हम दुर्गा सप्तशती में सर्वत्र पाते हैं। ऋषि विश्वामित्र ने मां जगदंबा के अनंत रहस्य बताते हुए प्रत्येक आत्मा में जगदंबा का उल्लेख किया है।इसलिए हिमालय के उच्च शिखर से लेकर सागर के मध्य तक 51 दुर्गा शक्ति पीठ को प्रतीक के रूप में माना है ।इस बात का किये संपूर्ण भारत के विभिन्न भागों और वर्गों में समागम के लिए एक ही देवी है योग माया माना तो यह जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति के पीछे योग माया खड़ी है उनकी आत्मा शक्ति विद्यमान है वही हमें नियंत्रित

करती है। इसलिए ब्रह्मा, विष्णु, महेश ,अष्ट वसु ,एकादश रुद्र ,द्वादश आदित्य और संपूर्ण विश्व इनकी शक्तियों की पूजा करता है ।इसी देवी के स्वरूप को नव रूपों में समाहित किया गया है महालक्ष्मी से लेकर नवदुर्गा तक मानव जीवन के समस्त श्रेष्ठ वैभव समस्त पक्ष नवदुर्गा में समाहित है ।इस दृष्टि से नवरात्रों मात्र ऋतुओं का संधि पर्व ही नहीं है अपितु प्रकृति को मां मानते हुए नवरात्र मानते हैं।

पुराणों में कथा प्राप्त होती है कि मातृ शक्ति के प्रतीक के रूप में दुर्गा का जन्म ही देवताओं की रक्षा के लिए हुआ था। दुर्गा द्वारा महिषासुर का मर्दन कर देवताओं को स्वर्ग की सत्ता पर स्थापित किया था। जब असुर महिषासुर का अत्याचार पराकाष्ठा पर पहुंच गया और वह स्वर्ग पर आधिपत्य स्थापित करने को उद्यत हुआ तब देवताओं ने ब्रह्मा की शरण में जाकर प्रार्थना की इस पर ब्रह्मा जी ने देवताओं को शिव जी से प्रार्थना करने का परामर्श दिया। देवगण आशुतोष शिवजी के शरणागत हुए और अनुनय विनय कर अपनी संपूर्ण स्थिति का वर्णन किया तो देवताओं की व्यथा सुनकर शिवजी क्रोधित हो गए और उसी क्रोध की ऊर्जा के फल स्वरुप दुर्गा का जन्म हुआ। सभी देवताओं ने दुर्गा को अपना तेज और शक्ति प्रदान करने से दुर्गा को सौंदर्य और असीम प्राप्त हुई। इस प्रकार देवताओं से तेज और शक्ति संपन्न हो कर दुर्गा ने महिषासुर से संग्राम कर उसका वध किया तथा देवताओं को उन्हें स्वर्ग में स्थापित किया। इतना होने पर देवताओं ने दुर्गा का स्तुति गान किया जिससे दुर्गा प्रसन्न होकर देवताओं से वर मांगने को कहा तब देवताओं ने यही कहा कि जब कभी हम देव गणों पर कोई संकट आए तो आप सदैव हमारी रक्षा करें। इस प्रकार का एक आख्यान मार्कंडेय पुराण में भी प्राप्त होता है। जिसमें राजा सुरथ और वैश्य समधी ने मां दुर्गा को प्रसन्न कर अपना अभीष्ट प्राप्त किया ।राजा सुरथ और वैश्य समधि का एक ही प्रकार का कष्ट था ।वे ऋषि के आश्रम में गए और अपनी समस्या बताई।ऋषि ने उनकी समस्या का समाधान करते हुए कहा कि मनुष्य ही नहीं पशु पक्षियों में भी इसी प्रकार की समानताएं होती है ।इसी भावना के फल स्वरुप संसार चक्र चलता है। इस प्रकार की भावना के मूल में महामाया विद्यमान रहती है। यही महामाया बुद्धि और बल की आधार है ।इसलिए दुर्गा सप्तशती के देवी सूक्त में वर्णन प्राप्त होता है 'या देवी सर्वभूतेषु बुद्धि रूपेण संस्थिता' इसी शक्ति को आधार शक्ति प्रतिपादित करते हुए इसी सूक्त में कहा गया है 'या देवी सर्वभूतेषु शक्ति रूपेण संस्थिता' इस महामाया का स्वरूप सूक्ष्म अणुओं विद्यमान है ।सृजन और पालन तथा विनाश की तीनों प्रक्रियाओं के मूल में यह देवी ही है ।यही भौतिक सुख ,मोह माया और लालसा मनुष्य में उत्पन्न करती है और यही इनसे मुक्ति भी दिलाती है। हमारे धर्म शास्त्रों का कथन है कि जो मनुष्य श्रद्धा पूर्वक देवी की आराधना करता है उसे मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

नवरात्र में मूलतः शक्ति की ही उपासना होती है ।इस पर्व के नौवें दिन राम नवमी अर्थात मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जन्मोत्सव मनाया जाता है। शक्ति की उपासना किए बिना कोई भी पुरुषार्थ सफल नहीं होता है। प्रत्येक अंग परमाणु में आदि दैविक शक्ति विद्यमान रहती है ।जिस प्रकार अग्नि में उष्णता, दाहकता और प्रकाश होता है उसी प्रकार पुरुष का पुरुषत्व उसका धर्म है। इस शक्ति के बिना अग्नि और पुरुष का कोई महत्व ही नहीं है। संपूर्ण संसार किसी न किसी शक्ति का उपासक है। शक्ति उपासना बहिर्मुखी और अंतर्मुखी दोनों ही प्रकार से की जा सकती है। आत्मशक्ति को जागृत करने पर अलौकिक और पारलौकिक सिद्धियां प्राप्त हो जाती है।

नवरात्र अवंता का पर्याय है अध्यात्म का स्वरूप है मातृशक्ति नव दुर्गा के नव स्वरूप दुर्गा सप्तशती में बताए गए हैं इनमें शैलपुत्री,ब्रह्मचारिणी , चंद्रघंटा ,कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी ,कालरात्रि ,महागौरी और सिद्धिदात्री हैं ।यह सब दुर्गा के सौम्य स्वरूप है ।इस स्वरूप वाली मां दुर्गा 'शांति रूपेण संस्थिता' नवदुर्गा का सकारात्मकता की संदेश वाहक है । शैलपुत्री के रूप में विनम्रता ,ब्रह्मचारिणी रूप में एकाग्रता ,चंद्रघंटा के रूप में शीतलता,कुष्मांडा रूप में मंद मंद मुस्कान की मृदुता, स्कंदमाता के रूप में वात्सल्यता ,कात्यायनी के रूप में निर्मलता ,कालरात्रि के रूप में कर्म शीलता, महागौरी के रूप में उज्जवलता,सिद्धिदात्री के रूप में भक्तों के मनोरथ की सफलता का प्रतीक है ।नवदुर्गा ऊर्जा के रूप में सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है और कर्म संदेश भी देती है। यही नवदुर्गा दुष्टों को दंडित करने के लिए शक्तियों का विस्तार करते हुए उग्र रूप में महाकाली, महालक्ष्मी ,चामुंडा, योग माया, चंडिका, भ्रामरी हो जाती है। सौम्य स्वरूपा मातृशक्ति अपने भक्तों को वरदान देती है तथा दुष्टों को दंडित करती है। मां सदैव संतान हित करिणी होती है ।कोई उसकी संतान को हानि पहुंचाता है तो मां अपनी संतान की रक्षा करने के लिए तैयार रहती है।वैसे देखा जाए तो नवरात्र का उत्सव एक अर्थ में अपने तीन गुण सत्व, रज और तम पर विजय प्राप्त करने का है अर्थात इन 9 दिनों में भक्ति पूर्ण वातावरण में रहकर किसी भी प्रकार के विवाद से दूर रहते हैं। नवरात्र के 9 दिन मूल रूप से तीनों गुणों राजस, तम और सत् में विभाजित किए गए हैं जो त्रिगुण नाम से भी जाने जाते हैं। किसी भी जीव के अस्तित्व के लिए इन तीनों का होना आवश्यक होता है।

नवरात्र में हम सृष्टि के कल्याण की कामना करते हैं वही दुष्टों का आकलन करने हेतु देवी से प्रार्थना करते हैं। साधकों का यही लक्ष्य रहता है कि सांसारिक आवागमन से मुक्ति मिले और देवी कृपा से हम शक्ति संपन्न हो। इन नवरात्रों से नारी सशक्तिकरण की भावना भी प्रबल होती है।

किसने क्या कहा...

भारत के आगे भविष्य में भी आतंकवाद, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां होंगी, सुरक्षा बल तैयार: सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे

गैर जिम्मेदार विपक्ष जानबूझकर संसद की कार्यवाही बाधित कर रहा है: पीयूष गोयल

आजादी के पश्चात हुए बंटवारे के बाद बचा भारत हिंदू राष्ट्र ही है : कैलाश विजयवर्गीय

टकराव से किसी का भला नहीं होता, हम केंद्र के साथ काम करना चाहते हैं :अरविंद केजरीवाल

कार्टून...

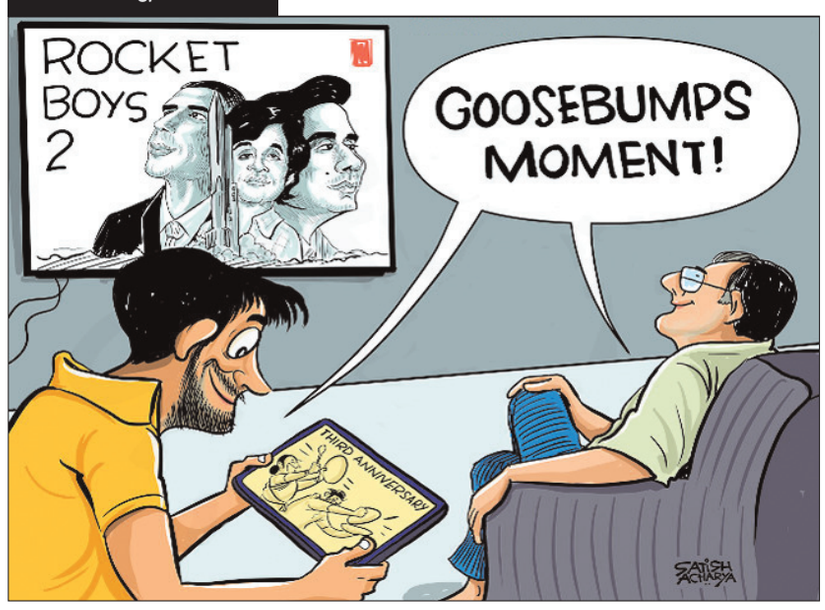

प्रेरणापुंज हैं हिन्दू राष्ट्र विचारक डॉ. हेडगेवार

मृत्युंजय दीक्षित

भारत के सबसे विशाल, समाजसेवी व राष्ट्रभक्त संगठन, 'राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ' के संस्थापक डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार का जन्म युगाब्द 4991 की चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को नागपुर के एक गरीब वेदपाठी परिवार में हुआ था। डॉ. हेडगेवार के पिता का नाम श्री बलिराम पंत व माता का नाम रेवतीबाई था। हेडगेवार जी का बचपन बहुत ही गरीबी में बीता किन्तु गरीबी के उस वातावरण में भी व्यायाम, कुश्ती, लाठी चलाना आदि में उनकी रुचि रही। बचपन में विभिन्न भवनों पर फहरा रहे यूनियन जैक को देखकर वे सोचते थे कि हमारे भारत वर्ष का हिन्दुओं का झंडा तो भगवा ही है क्योंकि भगवान राम और कृष्ण, शिवाजी, महाराणा प्रताप सभी की जीवन लीलाएं इसी झंडे की छत्रछाया में संपन्न हुई हैं और यहीं से उनके हृदय में यूनियन जैक को उतार फेंकने की योजना तैयार होने लगी।डॉ. हेडगेवार की प्रारम्भिक शिक्षा अंग्रेजी विद्यालय नीलसिटी में हुई, जहां उन्होंने महारानी विक्टोरिया के 60वें जन्मदिन पर बांटी गई मिठाई को कूड़ेदान में फेंक दिया था। सन 1901 में इंग्लैंड के राजा एडवर्ड सप्तम के राज्यारोहण के समय लोगों द्वारा खुशी मनाये जाने पर वो बहुत दुखी हुए।

1902 में प्लेग की महामारी के कारण उनके माता-पिता का देहावसान हो गया। हेडगेवार जी के बड़े भाई क्रोधी स्वभाव के थे। इसके कारण उन्होंने घर छोड़ दिया और अपने मित्रों के साथ रहने लगे। उन्होंने लोकमान्य तिलक के पत्र के लिए धन एकत्र करने का काम प्रारंभ किया और स्वदेशी वस्तुओं की दुकान खोलने में भी सहायता की।

19 सितम्बर 1905 को अंग्रेज सरकार ने बंगाल को विभाजित कर दिया जिसका पूरे देश में व्यापक विरोध हुआ। पूरा भारत वंदेमातरम् के नारे से गूंज उठा था। डॉ. हेडगेवार ने नागपुर के किले से अंग्रेजों के झंडे उतारकर भगवा झंडा लगाने का प्रयास किया। विद्यालय में निरीक्षक के आने पर छात्रों ने वंदेमातरम् के नारे लगाए। कुछ ही दिनों में डॉ. हेडगेवार नागपुर में तिलक के नाम से प्रसिद्ध हो गए। उन्होंने ने 1906 में दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। वह अपनी पढ़ाई के लिए ट्यूशन और एक विद्यालय में नौकरी करने लगे । सन 1908 में अंग्रेज सरकार ने उनके पीछे गुप्तचर लगा दिए।

बड़े क्रांतिकरियों के साथ सम्पर्क में आने के लिए वह 1910 में कलकत्ता पहुंच गए। विद्यालय के पश्चात वह अन्य विद्यार्थियों से सम्पर्क करते थे। सन 1910 मे कलकत्ता में हुए दंगे के दौरान उन्होंने एक सुश्रूवा दल बनाया। यहां अनुशीलन समिति व प्रमुख क्रांतिकारियों से उनका सम्पर्क हुआ। जहां वो रहते थे, वहां एक गुप्तचर उनके पीछे लग गया। शंका होने पर उसकी तलाशी ली गई। उसके गुप्तचर होने कई प्रमाण मिले। इसके बाद उन्होंने अपनी वेशभूषा बदल दी।1913 में उन्होंने दामोदर नदी की बाढ़ के समय पीड़ितों की खूब सेवा की। दो सितम्बर को एल एल एंड संस की पदवी प्राप्त की और डॉक्टर की उपाधि लेकर वापस नागपुर लौटे।

1915 से 1920 तक वो राष्ट्रीय आंदोलनों में अत्यंत सक्रिय रहे। प्रवास, सभा, बैठक आदि में सदा सक्रिय रहते थे। तरुणों में पूर्ण स्वतंत्रता की आकांक्षा को धधकाने में वे सदा तत्पर रहते थे। नागपुर में दोबारा प्लेग फैला। इस दौरान उनके भाई का निधन हो गया। इसके बाद डॉ. हेडगेवार ने जीवन भर अविवाहित रहकर राष्ट्र कार्य करने का निश्चय किया। डॉ. केशव गणोशोत्सव में उत्साह से भाग लेते थे और उत्साह भरने वाले भाषण देते थे।उन्होंने होमरूल आंदोलन में भी भाग लिया। वो क्रांति के लिए व्यक्ति, धन तथा शस्त्रास्त्र की व्यवस्था करते थे। उन्होंने राष्ट्रीय उत्सव मंडल की स्थापना की और उनके घर पर शरद पूर्णिमा मनाई गई। सन 1919 में उन्होंने लाहौर कांग्रेस में भाग लिया। 31 जुलाई को असहयोग आंदोलन आरम्भ हो गया। कुछ समय बाद डॉ. हेडगेवार, योगीराज अरविंद से मिलने पांडुचेरी गए। 1920 में नागपुर के कांग्रेस अधिवेशन में वह सेवा दल के प्रमुख बने। एक वर्ष बाद जब वे कारागार से छूटे तब स्थान-स्थान पर जनता ने उनका जोरदार स्वागत किया।इस बीच हुए मोपला कांड में डेढ़ हजार हिंदू मारे गए और बीस हजार हिंदू मुसलमान बनाए गए। तीन करोड़ की संपत्ति नष्ट हुई। अंग्रेज सरकार ने 1923 में गणपति जुलूस को मस्जिद के सामने से निकलने पर रोक लगा दी। मुसलमानों ने दिण्डी निकलने का विरोध किया। तब डॉक्टर साहब ने हिंदू समाज में जागृति उत्पन्न कर राजे लक्ष्मणराव भोसले के सहयोग से दिण्डी सत्याग्रह का आयोजन करवाया। वह सत्याग्रह बहुत सफल हुआ। सन 1922 से 1925 तक डॉ. हेडगेवार हिंदू महासभा के कार्यों में जुटे रहे।

उपदेश

राजा दशरथ बुढ़ापे में प्रवेश कर चुके थे, लेकिन उनकी एक समस्या थी। दशरथ के यहां संतान नहीं थी। किसके पास जाएं और किसे अपना दर्द सुनाएं, इस संबंध में उन्होंने बड़ी रानी कौशल्या से बात की। राजा ने रानी से कहा, हम ऐसा क्या करें कि हमारे यहां पुत्रों का जन्म हो। पुत्र नहीं होगा तो हमारा रघुवंश कैसे चलेगा? पति-पत्नी ने बातचीत कर ये निर्णय लिया कि राजा को अपना दुख इधर-उधर नहीं बताना चाहिए। बल्कि सीधे अपने गुरु वशिष्ठ जी के पास जाना चाहिए। राजा दशरथ गुरु वशिष्ठ जी के पास पहुंचे। वशिष्ठ जी राजा का चेहरा देखकर समझ गए कि ये अधिक परेशान हैं। उन्होंने दुख की वजह पूछी। राजा ने कहा, आज मैं एक विशेष उद्देश्य के लिए आया हूं। मेरा मन बड़ा भारी है। पता नहीं मृत्यु कब आ जाए। मैं पुत्र चाहता हूं। वशिष्ठ जी तपस्वी थे। वे चाहते तो सीधा आशीर्वाद दे सकते थे, लेकिन उन्होंने कहा, आपकी इच्छा पूरी होगी। प्रयास आपको करना होगा, आप यज्ञ करें। हम श्रेष्ठ पुरोहित बुलाएंगे। मैं आपके लिए सारी व्यवस्था कर दूंगा। वशिष्ठ जी ने ऐसा किया भी। यज्ञ के प्रभाव से दशरथ जी के यहां राम, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न का जन्म हुआ। इस प्रसंग से हमें दो सीख मिलती है। पहली, अपना दुख सभी को नहीं बताना चाहिए, क्योंकि अधिकतर लोग दूसरों के दुखों का मजाक बनाते हैं। दूसरी, गुरु का काम है मार्गदर्शन करना। गुरु को शिष्य को ऐसा रास्ता बताना चाहिए, जिस पर चलकर वह अपने लक्ष्य पर पहुंच सकता है। संतान के संबंध में पति-पत्नी यज्ञ करना चाहिए। यहां यज्ञ का अर्थ है अनुशासित जीवन शैली। पति-पत्नी बच्चे के जन्म से पहले से अनुशासित होंगे, समझदारी से अपना जीवन जिएंगे, तो उनके ये गुण बच्चों में भी उतरेंगे।

राजा ने रानी से कहा, हम ऐसा क्या करें कि हमारे यहां पुत्रों का जन्म हो। पुत्र नहीं होगा तो हमारा रघुवंश कैसे चलेगा? पति-पत्नी ने बातचीत कर ये निर्णय लिया कि राजा को अपना दुख इधर-उधर नहीं बताना चाहिए।

तेज हवाएं व बेमौसम हो रही बारिश ने किसानों की गेहूं की फसलों का किया बर्बाद

अमर ख़्याल। राहुल कुमार

रामपुर पटवाई में दो दिन से लगातार सोमवार से हो रही भारी बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी बारिश के कारण गेहूं की फसल क्षतिग्रस्त हो सोमवार से हो रही लगातार बारिश से मंगलवार तक दोपहर करीब 12 बजे मौसम साफ हुआ है लेकिन उसके बावजूद भी सुबह से चल रही सर्द हवाओं ने भी अपना रुख बदल दिया जिससे किसानों की फसलों में भी काफी नुकसान हुआ है क्योंकि किसानों की फसल पक चुकी थी लगभग कुछ दिनों बाद गेहूं की फसल की कटाई चालू होने वाली थी लेकिन बेमौसम हुई बारिश ने गेहूं की फसल में काफी नुकसान हुआ किसानों का कहना है कि गेहूं की फसल बारिश के कारण जो नुकसान हुआ है उसका मुआवजा मिलना चाहिए रामपुर जिला अधिकारी रविंद्र कुमार मांदड ने बरसात के कारण हो रहे नुकसान के सर्वे कराने के लिए कुछ टोल फ्री नंबर जारी किए है तथा हल्का लेखपालों को भी निर्देश दिया है कि क्षेत्र में जाकर किसानों की फसलों में जो नुकसान हुआ है उसकी सर्वे की जाए

20 लीटर शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

अमर ख्याल। राहुल कुमार

रामपुर। मंगलवार को थाना बिलासपुर, पुलिस द्वारा रमेश पुत्र लाखन निवासी ग्राम नगरिया कला का मझरा थाना बिलासपुर, रामपुर को गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे से 20 लीटर नाजायज शराब खाम बरामद हुई। इस सम्बंध में थाना बिलासपुर, रामपुर पर धारा आबकारी अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर कार्यवाही की गयी।

पति को जिंदा होने का देना पड़ रहा सबूत , अपने ही पत्नी पर लगाया पति ने गंभीर आरोप

अमर ख्याल । अशोक सागर

गोंडा । जनपद में एक पति ने अपनी पत्नी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि पत्नी ने पति का फर्जी मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाकर भूमि बेटे के नाम करा दी है। अब पति न्याय के लिए गुहार लगा रहा है। सोमवार को पीडित पति ने एएसपी शिवराज से मिलकर एफआईआर की मांग की है। एएसपी ने मामले की जांच के आदेश भी दिए हैं। मामला थाना कटरा बाजार क्षेत्र के ग्राम चंकसेरिया से जुड़ा हुआ है। यहां के पीड़ित बुजुर्ग सुरेंद्र का आरोप है कि फर्जी मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाकर उसकी सारी भूमि को पत्नी ने अपने बेटे के नाम दर्ज करवा करवा दिया है। सोमवार को पीड़ित सुरेंद्र पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आकर अपर पुलिस अधीक्षक के सामने पेश हुआ। उसने खुद के जिंदा होने का सबूत दिया। प्रकरण गंभीर होने के चलते अपर पुलिस अधीक्षक ने उसके प्रार्थना पत्र को गंभीरता लिया और उसका बयान दर्ज कराया। पीड़ित सुरेंद्र का यह भी आरोप है कि पत्नी गांव के ही एक व्यक्ति के बहकावे में आकर ऐसा किया है। पत्नी उसको बहुत मारती है और खाना पानी नहीं देती। लगभग 3 बीघा भूमि हड़पना चाहती है। अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज ने बताया कि थाना कटरा बाजार तहसील करनैलगंज के ग्राम चकसेरिया का सुरेंद्र हमारे पास आया था। उसकी जमीन को मृत्यु दिखाकर दूसरे के नाम करवा लिया गया है जबकि वह जिंदा है। प्रकरण की जांच संबंधित क्षेत्राधिकारी को सौंपी गई है। जब तक जांच होगी वह वृद्धाश्रम में रहेगा।

बाइक सवार फंसा खेत में लगे ब्लेड के तार में ,युवक की दर्दनाक मौत

अमर ख्याल । अशोक सागर

गोंडा । तरबगंज खेत में लगे ब्लेड के तार को लगाने पर रोक है। इसके बाद भी खेतों में इसका प्रयोग धड़ल्ले से हो रहा है और जानलेवा साबित हो रहा है। ताजी घटना गोंडा जिले की है जहां बाइक सवार युवक नियंत्रण खोकर खेत में लगे ब्लेड के तार में फंस गया। जिससे उसकी गला कटने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना तरबगंज थाना क्षेत्र के किंधौरा तिवारी पुरवा से परियावां लिंक रोड की है। जहां पर इमरान पुत्र नसीब अली 22 वर्ष निवासी परियांवा लोहारन पुरवा मंगलवार को अपने माता-पिता को करौंदी राजा सगरा वजीरगंज वैवाहिक कार्यक्रम से वापस लाने जा रहा था। तभी रोड पर पड़े पत्थर से नियंत्रण खोकर खेत में लगे तार में जाकर फंस गया। बाइक की गति तेज होने के कारण गला आधे से ज्यादा कट गया। ब्लीडिंग अधिक होने की वजह घटनास्थल पर ही युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं परिजनों में मातम छाया हुआ है।

पटवाई पुलिस ने शांतिभंग में एक का किया चालान

अमर ख्याल। राहुल कुमार

रामपुर। पटवाई मंगलवार को एक नफरत अभियुक्त अजय पुत्र छोटेलाल निवासी जौल्लपुर थाना पटवाई जनपद रामपुर को अंतर्गत धारा 151 सीआरपीसी में गिरफ्तार कर माननीये न्यायालय एसडीएम रामपुर भेजा गया

डाकखाने में आधार अपडेट के नाम पर होती है अवैध वसूली

विरोध करने पर डाक कर्मचारियों का संरक्षण करती है दबंग महिला

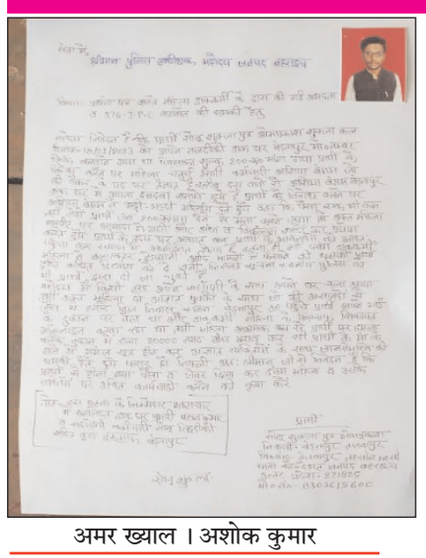

अमर ख्याल । अशोक कुमार

बहराइच। दिव्यांग वयस्क जिसका नाम सोनू शुक्ला पुत्र ओम प्रकाश शुक्ला निवासी कहारनपुरवा,तेजवापुर अपने आधार में मोबाइल नंबर अपडेट करवाने के लिए नजदीकी पोस्ट ऑफिस बेडनापुर गया।जहां प्रतिदिन आधार अपडेट होता है,वहां उसने मोबाइल नंबर अपडेट करने के लिए कहा। वहां काउंटर पर बैठे हुए थाना हरदी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा हरदी निवासी सोनू सिद्दीकी ने 200 मांगा।दिव्यांग वयस्क सोनू शुक्ला ने कहा कि 50 शुल्क लगता है उतना ही दे पाऊंगा,अतिरिक्त शुल्क नहीं दूंगा।सोनू सिद्दीकी ने कहा अगर नहीं दोगे तो नहीं अपडेट करूंगा,जहां हो रहा हो करवा लो।इसी बात पर दिव्यांग वयस्क सोनू शुक्ला तथा काउंटर पर बैठे सोनू सिद्दीकी में बहस हो गई और दिव्यांग वयस्क ने कहा इसकी शिकायत में उच्च अधिकारियों से करूंगा।इतना कहते ही उसी डाकखाने में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी महिला कर्मचारी आसिया बेगम ने भद्दी-भद्दी गालियां देते हुए दिव्यांग वयस्क को धक्का दिया और कहा कि चले जाओ कानून ना बताओ वरना 376 लगवा दूंगी।

किसी तरह डर संभल कर दिव्यांग वयस्क सोनू शुक्ला अपने आवास पहुंचा। मुश्किल से आधा घंटा बीता होगा कि वह महिला सोनू सिद्धकी व दो अन्य साथियों के साथ युवक के घर में घुसकर उसकी माता से मारपीट की तथा उसकी माता का मंगलसूत्र छीन लिया तथा उन्हीं के घर में उनका भाई दुकान चलाता है उसी दुकान से कुछ लगभग 20000 नकदी चुराकर भागे।

दिव्यांग वयस्क सोनू शुक्ला ने पुलिस अधीक्षक बहराइच से इस डाकखाने में हुई दबंगई वह घर में घुसकर महिला द्वारा मारपीट के विरुद्ध में उचित कार्यवाही कर न्याय दिलाने की मांग की है इसी संबंध में दिव्यांग सोनू शुक्ला ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में भी डाकखाने के कर्मचारियों के द्वारा दिव्यांग व्यक्ति के प्रति किए गए दुर्व्यवहार के विरुद्ध शिकायत पंजीकृत किया।

एक शाम भाभर के नाम ऑल इंडिया मुशायरा एवं कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

अमर ख्याल । मसरूर अली

पचपेड़वा (बलरामपुर) पचपेड़वा नई बाजार में एक शाम भाँभर के नाम ऑल इंडिया मुशायरा एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में देश के मशहूर कवि एवं कवित्रियों ने अपनी अपनी कविताएं प्रस्तुत किए कार्यक्रम का सदारत पूर्व राज्य मंत्री मोहम्मद वसीम खान एवं अध्यक्षता ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने की मुशायरे के आयोजक डॉ गयासुद्दीन खान ने बताया मुशायरे का यह कार्यक्रम गंगा जमुनी तहजीब का संदेश देता है कार्यक्रम का संचालन शायर नदीम फरुंख ने की। मुशायरे में कलाम पढ़ते हुए शायर हाशिम फिरोजाबादी ने शिक्षा को महत्त्व देते हुए कहा ₹वक्त अभी है तुम्हारा बच्चों को पढ़ाओ तुम,तुम ना आगे बढ़ सके पर इनको तो बढ़ाओ तुम, मैं तुम्हारा मरसिया सुनाने आज आया हूं, सोए हुए शेरों को जगाने आज आया हूं₹ मीसम गोपालपुरी ने अपना कलाम पढ़ते हुए कहा ₹जलजले महलों में आए और कातिल चीख उठे, हमने जंजीरों को टकराया जो जिनदानों की तरह₹ अल्ताफ जिया ने अपना कलाम पढ़ते हुए कहा ₹ज्यादा देर तक प्रदेश में मैं रुक नहीं सकता, मेरे बच्चों की जिम्मेदारियां आवाज देती है₹अफजल इलाहाबादी ने अपना कलाम पढ़ते हुए कहा ₹चल रहे हैं कतार में सूरज, और चिरागों की रहनुमाई है,हम न छोड़ेंगे यार का दामन,जिंदगी भर की यह कमाई है₹साहित्य के साथ ही हास्य कवियों ने अपनी हास्य कविताएं प्रस्तुत किये। इसी के साथ विकास बौखल, गुले सबा,मोहन मुंतजिर,काविश रूदौलवी,सुहेल आजाद,बिहारी लाल अम्बर, नौशाद अनगढ़,ज्योतिमा शुक्ला,मोनिका देहलवी,शबनम बलरामपुरी,अकमल बलरामपुरी आदि शायरों ने अपना अपना कलाम पढ़ा।

होली मंगल मिलन समारोह का हुआ आयोजन

अमर ख्याल । अशोक सागर

गोण्डा । दिनांक 19.03.23 को मेहनौन बिधान सभा के अन्तर्गत विकास खण्ड इटियाथोक के नरौरा भररापुर ग्राम सभा में पाण्डव वंशीय बाबू रघुबीर शरण सेन स्मारक धर्मार्थ ट्रस्ट के बैनर तले बरसाती सिंह एवं राम आधीन सिंह के संयुक्त संयोजन मे एवं रामसिंह सोमवंशी के नेतृत्व में होली मिलन समारोह एवं मीटिंग का आयोजन किया गया इस होली मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप मे आयी हुई प्रतिभा सिंह ने पावन पर्व होली की सबको बधाई दिया एवं सभा को सम्बोधित करते हुए महिलाओं की शिक्षा पर विशेष जोर दिया और कहा हमारा समाज जो मुख्य धारा से वंचित है यह ट्रस्ट उन्हें जोड़ने का कार्य कर रहा है जो कि बहुत सराहनीय है मै और मेरा परिवार ट्रस्ट को तन मन धन से समर्थन एवं सहयोग करता रहेगा ! ट्रस्ट की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रबन्ध न्यासी शेर सिंह ने कहा कि हमारा समाज अपने जुझारूपन संघर्षशीलता एवं नशा के कारण पिछड़ा हुआ है हम ट्रस्ट के माध्यम से ऐसे गरीब व्यक्तियों के उत्थान के लिए उनके बच्चों की शिक्षा स्वास्थ्य एवं नशा मुक्त तथा रोजगार दिलवाने के लिए प्रतिबद्ध हैं हमारी टीम गांव गांव जाकर जन जागरूकता अभियान चला रही है उन्होंने ट्रस्ट के उद्देश्यों का स्पष्टीकरण करते हुए कहा कि यह एक चलता फिरता विद्यालय है ट्रस्ट नीति एव नियति का ध्यान रखते हुए कार्य करेगा उन्होंने कहा कि मानव के अन्तर निहित शक्तियों का विकास करना ही शिक्षा है इसलिए अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा जरूर दें !

मंच संचालन सह संगठन मंत्री बिष्णु सिंह ने किया संगठन मंत्री राम मनोज सिंह ने कहा कि
₹शाम सूरज को ढलना सिखाती है, शमा परवाने को जलना सिखाती है₹
गिरने वालों को होती है तकलीफ, पर ठोकरें ही इन्सान को चलना सिखाती

इस शुभ अवसर पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष दीप सिंह महासचिव ठाकुर नागेन्द्र प्रसाद सेन कोषाध्यक्ष डा.शिवशंकर सिंह राजेशसिंह ,धर्मपाल सिंह, उदयभान सिंह, राकेश सिंह ,सुखराम सिंह, इन्दर सिंह ,विमल सिंह, राजू सिंह, संजीतसिंह, प्रीतम सिंह, तारासिंह, जगदम्मा सिंह,सोनू सिंह,रमनसिंह, राजेश यादव एव स्थानीय ग्राम प्रधान हरी शंकर सोनी एवं सैकड़ों ग्राम वासी उपस्थित रहे ।

षड्यंत्र रचकर कूटरचित तरीके से फर्जी जमीन बैनामा कराने के दो अभियुक्त चढ़े पुलिस के हत्थे

(फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन का बैनामा करनें वाले गिरोह के दो अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर सफलता हासिल की)

अमर ख्याल संवाददाता

कटरा बाजार (गोण्डा) पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर द्वारा जनपद में मुकदमों के वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षो को कड़े निर्देश दिए, वही दूसरी तरफ थाना कटरा बाजार के थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार राय ने पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर के उपरोक्त कुशल निर्देशन में कूटरचित तरीके से फर्जी जमीन बैनामा कराने वाले अपराधियों को चिन्हित कर शीघ्र ही त्वरित कार्यवाही करके गिरफ्तारी करने हेतु तत्काल प्रभाव से टीम किया गठित। वहीं दूसरी तरफ थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार राय ने आज दिनाकं 21.03.2023 को कूटरचित दस्तावेज तैयार करके जमीन बैनामा कराने वाले गिरोह के विरुद थाना स्थानीय पर मुकदमा में उ.प्र. गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी क्रिया कलाप निवारण अधिनियम थाना कटरा बाजार जनपद गोण्डा कराया गया तथा वांछित अभियुक्तगणों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय रवाना किया गया।गिरफ्तारकर्ता टीम प्र0नि0 मनोज कुमार राय ,हे0का0 मुनीव यादव ,कां0 प्रभुकान्त तिवारी,म0कां0 निर्मला मौर्या,म0कां0 शकुन्तला पाण्डेय सहित टीम मौजूद रहे।

क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने अपनी मांगों को लेकर डीएम,सीडीओ को सौंपा ज्ञापन।

अमर ख्याल संवाददाता

गोण्डा। क्षेत्र पंचायत स्वामिभान संघ के जिलाध्यक्ष अबूरहमान खां ने मंगलवार को बीडीसी सदस्यों को साथ लेकर एक ज्ञापन जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी को सौंपा।दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि क्षेत्र पंचायत सदस्यों का तत्काल खाता फीड करके उनको भत्ता दिलाया जाए एवं ब्लॉक पर बैठक आयोजित किया जाए और बीडीसी सदस्यों को प्राथमिकता के आधार पर मनरेगा के तहत कार्य आवंटन किया जाय।इस मौके पर बाबूराम तिवारी सरवन तिवारी,ओमप्रकाश, अंकित अवस्थी,समाजसेवी अजय श्रीवास्तव,बबलू तिवारी,काली प्रसाद पाण्डेय सहित अन्य बीडीसी सदस्यगण मौजूद रहे।

सम्मानित पत्रकारों को नियुक्ति पत्र देकर दिलाई गई सदस्यता

अमर ख्याल। राहुल कुमार

रामपुर। राष्ट्रीय मानव अधिकार एंड एंटी करप्शन मिशन संगठन की ओर से आज जनपद रामपुर के प्रदेश कार्यालय पर पत्रकार एवं समाजसेवियों को मनोनयन पत्र देखकर सदस्यता दी गई है आपको बताते चलें राष्ट्रीय मानव अधिकार इन एंटी करप्शन मिशन संगठन बहुत तेजी से सक्रिय हो रहा है पूरे प्रदेश में काफी तादाद में वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी सर्व समाज की निस्वार्थ सेवा एवं समाज के हितों के लिए जुड़ रहे हैं इनका कहना है भारत के सच्चे नागरिक होने के नाते हमें सक्रिय होना होगा और सर्व समाज के लिए कार्य करने होंगे असहाय पीड़ित एवं निर्धन लोगों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहना होगा हमारा काम है केंद्रीय एवं राज्य सरकार की समाज कल्याण नीतियों एवं सरकार की लाभकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाना एवं लोगों को अपने अधिकारों के लिए जागरूक करना भ्रष्टाचार मुक्त भारत ही हमारा प्रथम लक्ष्य है इसी दिशा में हमें कार्य करना है इस मौके पर मोहम्मद फैजान, एडवोकेट हारिस, इरफान खा ,मोहम्मद शराफत, यासीन खा, नासिर खा, वसीम खा, मौलाना बिलाल साहब नावेद खा, अब्दुल खलील खा, सलीम खान आदि मोजूद रहे।

वन माफियों ने काट डाले नीम के पेड़

अमर ख्याल। अशोक सागर

गोण्डा (करनैलगंज)। वन माफिया लगातार प्रतिबंधित हरे वृक्षों पर आरा चलाकर क्षेत्र की हरियाली उजाड़ रहे हैं मगर उन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। ऐसा ही एक मामला जिले के कोतवाली करनैलगंज अंतर्गत ग्राम लालेमऊ के मजरा पंडित पुरवा से सामने आया है जहां चोरी से रात्रि के समय हरे भरे नीम के तीन वृक्ष काटे गए। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंचे वन कर्मियों ने वृक्ष के बोटे एकत्र करवाकर कार्रवाई शुरू का दी है। वन दरोगा अशोक कुमार पांडेय ने बताया कि प्रकरण संज्ञान में है। अवैध रूप से वृक्ष काटने वाले लोगों के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है।

A R P एवं शिक्षक ने कराई परीक्षा

अमर ख्याल संवाददाता

बहराइच नबाब गंज ब्लाक के उच्च प्राथमिक विद्यालय गंगापुर , सोरहिया, करीम गांव, एवं 72 विद्यालय में आज दिनांक 21/03/2023की हिंदी ,विज्ञान ,संस्कृत की परीक्षा के दौरान श्री विपिन कुमार सिंह जी अ फढ के अनुसर्वन के समय 105 विद्यार्थियों के सापेक्ष 96 उपस्थित रहे। टटि ेल्ल चावल दाल मीनू के अनुसार बना था। शिक्षक कैलाश नाथ वर्मा तथा राजीव कुमार उपस्थित रहे।परीक्षा सुचिता पूर्ण ढंग से हो रही थी।

पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान, हड़कंप

अमर ख्याल। राहुल कुमार

रामपुर। सोमवार को दोपहर बाद पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया, तो वाहन स्वामियों में हड़कंप मच गया। इस दौरान पुलिस ने दर्जन भर से अधिक वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने संदिग्धों की भी तलाशी ली।

थाना क्षेत्र मे चोरी की घटनाओं पर नियंत्रण व बाइक सवारों द्वारा किए जा रहे अपराधों पर लगाम कसने के इरादे से सोमवार को दोपहर बाद सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया।

इसके अलावा कस्बों के मुख्य मार्गो पर भी चेकिंग अभियान चला। इस दौरान शहजादनगर थाना प्रभारी शरद पवार चेकिंग अभियान में मौजूद रहे।

सड़क हादसे में एक महिला की मौत

(कई लोग घायल, घायलों को इलाज के लिए भेजा गया अस्पताल)

अमर ख्याल संवाददाता

कर्नलगंज (गोण्डा) कोतवाली क्षेत्र के कर्नलगंज बहराइच मार्ग पर हुई सड़क दुर्घटना में एक की मौके पर मौत हो गई और कई लोग घायल बताए जाते हैं।मिली जानकारी के मुताबिक घटना कोतवाली क्षेत्र के कर्नलगंज-बहराइच मार्ग स्थित ग्राम टिकौली के पास की है। यहां एक महिला शौंच के लिये गई थी जहां से वापस लौट रही थी। उसी बीच पहुंची एक कार की चपेट में आकर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया जाता है कि महिला को टक्कर मारने के बाद कार अनियंत्रित होकर वृक्ष से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। जिससे कार में सवार कई लोग घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल भेजवाया गया है।

सूचना

यह सूचनार्थ अधिसूचित किया जाता है कि माध्यमिक शिक्षक परिषद यूपी बोर्ड हाईस्कूल अंकतालिका (मार्कशीट) परीक्षा वर्ष 2009 अनुक्रमांक नंबर 2715592 एसआर नंबर 82005746 वास्तव में कहीं खो गई है। जिस किसी सज्जन को मिले उचित पते पर पहुंचाने की कृपा करें।

स्कूल नाम - महात्मागांधी इंटर कालेज खन्दवा बलिया
नाम - मनु कुमार
पिता नाम - रामदयाल
माता नाम - सुभाश्री देवी
पता - ग्राम+पोस्ट खन्दवा जिला बलिया उत्तरप्रदेश
मोबाइल नम्बर 9118794811

युवक ने पुलिस पर प्रताड़ित करने का लगाया आरोप

(कोतवाल समेत पुलिस कर्मियों से त्रस्त होकर आत्महत्या की दी चेतावनी,पीड़ित ने मानवाधिकार आयोग को प्रार्थना पत्र भेजकर लगाई गुहार)

अमर ख्याल संवाददाता

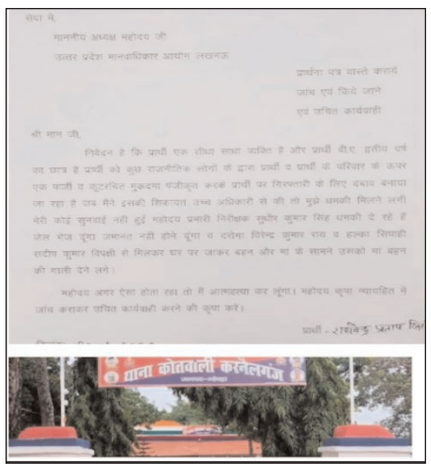

कर्नलगंज (गोण्डा) कोतवाली अन्तर्गत ग्राम सकरौरा ग्रामीण निवासी राघवेंद्र प्रताप सिंह ने अध्यक्ष मानवाधिकार आयोग को प्रार्थना पत्र भेजा है। जिसमें कहा गया है

कि वह बीए द्वितीय वर्ष का छात्र है। कुछ राजनैतिक लोगों ने उसके साथ परिवार के अन्य लोगों के विरुद्ध फर्जी व कूटरचित मुकदमा दर्ज करा दिया। उसके बाद गिरफ्तारी कराने का प्रयास करने लगे। आरोप है कि उसने उच्चधिकारियों से इसकी शिकायत की तो प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह व अन्य पुलिस कर्मी जेल भेज देने व जमानत न होने देने की धमकी देने लगे। यही नही पुलिस उसके घर जाकर घर की महिलाओं के सामने गाली देकर प्रताड़ित कर रही है। पुलिसिया आतंक से पीड़ित युवक ने चेतावनी दी है कि यदि ऐसा ही होता रहा तो वह आत्महत्या करने के लिए विवश हो जायेगा। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी नवीना शुक्ला से सीयूजी नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

आवारा पशु किसानों के फसलों को कर रहे हैं बर्बाद,जुगला शरन शुक्ला

(तीन दिन में कोई कार्यवाही ना होने पर किसान करेंगे ब्लाक रुपईडीह का घेराव व धरना प्रदर्शन)

अमर ख्याल संवाददाता

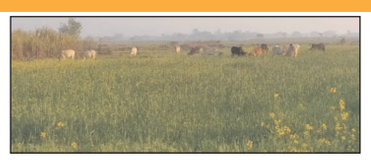

गोण्डा। विकासखण्ड रूपईडीह के ग्राम पंचायत कसमिरवा (पुरैनिया) के निवासी जुगला शरन शुक्ला ने कहा कि एक तरफ सरकार किसानों की आय को दोगुनी करने के लिए कह रही है,वहीं पर आवारा पशु किसानों के फसलों को बर्बाद कर रहे हैं। जब फसल ही नहीं होगी तब किसानों की आय दोगुनी कैसे होगी। उनका कहना है कि ₹मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि आवारा पशु ना रोड पर दिखेंगे ना खेत में₹ इस बात पर कोई अमल नहीं किया गया। यदि सरकार किसानों की आय को दुगुनी करना चाहती है वह पहले आवारा पशुओं को पकड़वाये,आय अपने आप दुगुनी हो जायेगी।विकासखण्ड रूपईडीह के ग्राम पंचायत कसमिरवा (पुरैनिया) के निवासी जुगला शरन शुक्ला ने बताया कि हमारे ग्राम

पंचायत में आवारा पशुओं की संख्या बहुत अधिक है। गांव में बोई हुई सभी फसल को बर्बाद कर देते हैं ।जिससे किसान दिन-रात खेतों की रखवाली करता है।आवारा पशुओं के झुंड को किसान द्वारा भगाते वक्त आवारा पशु मारने के लिए दौड़ते हैं जिससे कई किसानों को चोटें लग चुकी हैं और एक महिला खेत को आवारा पशु भगाने गई थी जिसके वजह से उस महिला का एक्सीडेंट हो गया था और उसकी मृत्यु हो गई।आवारा पशुओं को भगाने में किसानों को जान माल का खतरा बना रहता है। आवारा पशुओं से छुटकारा दिलवाने के लिए शुक्ल ने 1076 हेल्पलाइन,जनसुनवाई पर शिकायत की थी। जिस पर खण्ड विकास अधिकारी और ग्राम विकास अधिकारी द्वारा फर्जी रिपोर्ट लगाया गया,जिसमें प्रेषित किया गया कि ₹गांव में आवारा पशुओं को पकड़वाया गया है₹ कहीं रिपोर्ट लगाया जा रहा है कि₹ आवारा पशुओं को पकड़वाया जाएगा ₹ शुक्ल ने कहा की ग्राम कसमिरवा (पुरैनिया) में एक भी आवारा पशुओं को नहीं पकड़ा गया है। जिससे असंतुष्ट होकर फिर शिकायत तहसील दिवस में मुख्य राजस्व अधिकारी से की थी। मुख्य राजस्व अधिकारी के आदेश देने के बावजूद भी गांवों में आवारा पशुओं को नहीं पकड़वाया गया। इसमें भी ऑफिस में बैठे बैठे मनगढ़ंत फर्जी रिपोर्ट लगाकर प्रेषित किया गया कि ₹ग्राम पंचायत में शासन के मंशा अनुरूप वर्तमान कार्य योजना में दर्ज कार्यों में प्राथमिकता के आधार पर कार्य कराया जा रहा है,शिकायत निक्षेपित करने योग्य है ₹। यह फर्जी रिपोर्ट लगाया गया। खण्ड विकास अधिकारी और ग्राम विकास अधिकारी के मन में जो आता है वह मनगढ़ंत फर्जी रिपोर्ट लगा दिया जाता है। आवारा पशुओं को पकड़वाए जाने के संबंध में शुक्ल ने ग्राम विकास अधिकारी,खण्ड विकास अधिकारी,मुख्य विकास अधिकारी ,नगर मजिस्ट्रेट, मुख्य राजस्वअधिकारी,जिलाधिकारी से शिकायत की थी लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। शुक्ल जी ने कहा कि यदि तीन दिन तक कोई एक्शन नहीं लिया जाता है तो किसान विकासखण्ड रुपईडीह का घेराव/धरना प्रदर्शन करेंगे। यदि किसी भी किसी व्यक्ति का नुकसान होता है तो जिले के ये सभी अधिकारी जिससे-जिससे शिकायत किया गया था वे सभी अधिकारी भरपाई करेंगे। क्योंकि जिले के उच्चाधिकारियों को कई बार सूचना दी जा चुकी है लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई।

भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष ने डीएम को बारिश से खराब हुई फसल के संबंध में एक पत्र लिखा।

अमर ख्याल। राहुल कुमार

रामपुर। जिला अध्यक्ष अजय बाबू गंगवार ने शासन प्रशासन से मांग की है कि जनपद रामपुर में प्राकृतिक आपदा के रूप में असमय लगातार बारिश हो रही है। जिस वजह से किसानों की फसल को भारी नुकसान हुआ है। किसानों की फसल 90 प्रतिशत तक खराब हो चुकी हैं। जिले के किसान बड़े परेशान है इसलिए जनपद रामपुर के ही किसान साधन सहकारी समितियों और बैंको द्वारा जो कर्ज किसानों को दिए गए हैं। फसल बर्बाद हो जाने के कारण किसान उन्हे चुकाने में असमर्थ है। जिले में ही काफी किसानों की आरसी भी बैंको द्वारा काटी जा रही हैं जिस वजह से किसान चिंतित हैं और आत्महत्या करने को मजबूर हैं।उन्होंने जिला अधिकारी से निवेदन किया कि प्राकृतिक आपदा बारिश को देखते हुए किसानों के कर्ज माफ किए जाएं और नुकसान की भरपाई हेतु मुआवजा सरकार की तरफ से उपलब्ध कराया जाए। मुआवजा मिलने पर और कर्ज माफ होने पर ही जिले में किसानों की दुर्दशा को ठीक किया जा सकता है।

01 नफर वारण्टी गिरफ्तार

अमर ख्याल संवाददाता

बहराइच। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री प्रशान्त कुमार वर्मा जनपद बहराइच द्वारा अपराध एवं अपराधियो के रोकथाम व वांछित/वारण्टी की गिरफ्तारी के सम्बन्ध मे चलाये जा रहे अभियान के अनुक्रम में श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक महोदय (ग्रामीण) डॉक्टर पवित्र मोहन त्रिपाठी व श्रीमान क्षेत्राधिकारी महोदय नानपारा श्री राहुल पाण्डेय के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक रूपईडीहा श्रीधर पाठक के कुशल नेतृत्व में आज दिनांक 21.03.2023 को उ0नि0 श्री शिवम कुमार कन्नौजिया मय हमराही पुलिस बल के द्वारा माननीय न्यायालय द्वारा जारी वारण्ट सम्बन्धित मु0स0 48/15 अ0स0 277/15 धारा 354ख, 323,504 भ्रू व 7/8 पोस्को ्३ वारंटी बाबादीन पुत्र नारायन निवासी सहजना थाना रुपईडीहा बहराइच को कस्बा रूपईडीहा से समय 11.15 बजे गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय सदर रवाना किया गया ।

वारण्टी का नाम पता-

1. बाबादीन पुत्र नारायन निवासी सहजना थाना रुपईडीहा बहराइच

गिरफ्तारी करने वाली टीम का नाम

1.उ0नि0 श्री शिवम कुमार कन्नौजिया थाना रूपईडीहा जनपद बहराइच ।

2.का0 धनंजय कुमार थाना रूपईडीहा जनपद बहराइच ।

पैदल फ्लैग रूट मार्च निकालकर जनमानस को कराया सुरक्षा का एहसास, प्रभारी निरीक्षक

(शांति सौहार्द एवं कानून नियमों का उलंघन पर होगी सख्त कार्यवाही, प्रभारी निरीक्षक)

अमर ख्याल संवाददाता

कटरा बाजार (गोण्डा) जिले कप्तान आकाश तोमर ने जनपद में शांति सौहार्द एवं कानून व्यवस्था कायम रखते हुए क्षेत्रों में विभिन्न वारदातें पर अंकुश एवं रोकथाम हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक व थानाध्यक्ष को आवश्यक निदेर्शों से अवगत कराकर अलर्ट करते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थलों एवं बाजारों व आबादी वाले इलाकों में निरंतर लगातार पैदल फ्लैग मार्च निकालकर जनमानस के बीच जन संवाद स्थापित कर आवश्यक निदेर्शों से अवगत कराकर जागरूक करने के क्रम में दिए निर्देश, वही दूसरी तरफ थाना कटरा बाजार के थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार राय ने पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर के उपरोक्त कुशल निर्देशन में निरंतर लगातार क्षेत्र भ्रमणशील होकर जनमानस के जन संवाद स्थापित कर शांति सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बेहतर तरीके से पूर्णतया चुस्त-दुरुस्त कायम रखने के क्रम में अपील करते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर अगर कोई भी शांति सौहार्द एवं कानून नियमों का उलंघन कर उपद्रव एवं खलल व्यवधान उत्पन्न करता हुआ पाया गया तो तत्काल प्रभाव से चिन्हित कर शीघ्र ही सख्त से सख्त कठोर दंडात्मक त्वरित कार्यवाही की जाएगी। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार राय ने नगर पंचायत कटरा बाजार में पैदल फ्लैग रूट मार्च निकालकर जनमानस से जनसंवाद स्थापित कर आवश्यक निदेर्शों से अवगत कराकर अलर्ट करते हुए कानून नियमों का पालन करने के क्रम में अपील की, इस पैदल फ्लैग रूट मार्च के दौरान प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार राय, शमशेर बहादुर सिंह, समस्त आरक्षी एवं महिला आरक्षी सहित मौजूद रहे।

राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के कार्यकताओं ने उपजिलाधिकारी व कोतवाली प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

अमर ख्याल । विपिन तिवारी

सीतापुर। विक्रम संवत 2080 माह चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से दसमी तक दिनांक 21 मार्च से 31 मार्च 2023 तक नवरात्रि के प्रारंभ से समाप्ति तक अनन्य मीट की दुकानें बंद कराने हेतु राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के पदाधिकारियों ने उप जिलाधिकारी के नाम संदर्भित ज्ञापन तहसीलदार शशि विंदु व कोतवाली प्रभारी आलोक मणि त्रिपाठी को ज्ञापन सौंपा है बताते चलें कि सनातन धर्म में नवरात्रि पर्व का विशेष महत्व माना जाता है हर घर में 9 दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा अर्चना की जाती लोग पवित्र भाव से व्रत भी रखते हैं वहीं सड़कों किनारे नुक्कड़ चौराहे व बाजारों में बिना रोक-टोक के मीट की दुकानें संचालित होती हैं जिससे दुकानों से निकले मीट के अवशेष सड़कों पर फेंक दिए जाते हैं दुकानों के सामने निकलने से अत्याधिक दुर्गंध फैली रहती है जिससे हिंदू समाज को नवरात्रि के समय काफी समस्या उत्पन्न होती है इसी को लेकर राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी व कोतवाली प्रभारी आलोक मणि त्रिपाठी को ज्ञापन सौंपा राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के पदाधिकारियों ने प्रशासन से मांग की है कि नवरात्रि के समय संचालित हो रही मीट की दुकानों को तत्काल प्रभाव से बंद कराया जाए इस अवसर पर जिला सचिव राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना हिंदू अंकित दीक्षित ब्लॉक अध्यक्ष लहरपुर राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना शिवा तिवारी गोविंद नाथ सूरज नाग प्रिंस अवस्थी कृपा दीक्षित राकेश हिंदू प्रदीप मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे

प्राकृतिक आपदा काल में किसानों के साथ हैं सरकार

किसान मेले में विधायक ने किसानों को दिलाया भरोसा

किसानों की समृद्धि का आधार है जैविक खेती अखंड प्रताप

अमर ख्याल

वाराणसी/चोलापुर। आपदा के समय सरकार किसानों के साथ खड़ी हैं ,किसान घबराएं नहीं प्रदेश सरकार किसानों की क्षतिग्रस्त फसलों का सर्वे कराकर उन्हें राहत पहुंचाने का कार्य करेगी। उक्त भरोसा किसानों को अजगरा विधानसभा के विधायक त्रिभुवन राम ने क्षेत्र के दानगंज में कृषि विभाग की ओर से आयोजित जैविक किसान मेले में किसानों को दिलाया। बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों की क्षतिग्रस्त फसलों के सर्वे में किसी प्रकार की हीलाहवाली व लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।किसानों से नमामि गंगे योजना का लाभ उठाने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि जैविक खेती के साथ ही मोटे अनाज की खेती को अपनाकर किसान स्वयं अपनी प्रगति का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

किसानों की समृद्धि का आधार है जैविकखेती-

विशिष्ट अतिथि के तौर पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए चंदौली सांसद डा.महेंद्रनाथ पाण्डेय के प्रतिनिधि अखण्ड प्रताप सिंह ने कहा कि जैविक खेती किसानों को समृद्ध बनाने में सहायक है ऐसे में वे जैविक खेती को अपनाकर बिषमुक्त खाद्यान्न का उत्पादन करें।

उप कृषि निदेशक अखिलेश कुमार सिंह के आदेशानुसार नमामि गंगे योजनान्तर्गत जैविक किसान मेले का आयोजन कृषि विभाग व इश एग्रीटेक के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। चोलापुर के खण्ड तकनीकी प्रबंधक देवमणि त्रिपाठी ने किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी व नमामि गंगे के प्रोजेक्ट हेड स्वामी शरण कुशवाहा ने किसानों को जैविक उत्पादों की मार्केटिंग की जानकारी उपलब्ध करायी।साथ ही कृषि विशेषज्ञ रामलाल विश्वकर्मा वह डा.उमाशंकर ने किसानों को जैविक खेती की नवीनतम जानकारी उपलब्ध करायी।

आकर्षण का केंद्र रहा मोटा अनाज का स्टाल

जैविक किसान मेले में किसानों की ओर से लगाया गया मोटा आनाज (श्री अन्ना) का स्टाल आकर्षण का केंद्र रहा।विधायक ने किसानों की ओर से लगाये गये स्टाल का निरीक्षण भी किया और कृषि विभाग व किसानों के प्रयासों की सराहना की

इस दौरान ओम प्रकाश गुप्ता, पंकज भास्कर, सौरभ सिंह, विशाल सिंह, पनवारी यादव, सिकंदर मौर्य, धीरेंद्र कुमार मौर्य, शैलेंद्र सिंह ,शशिकला सहित भारी संख्या में किसान उपस्थित रहे।संचालन व धन्यवाद ज्ञापन देवमणि त्रिपाठी ने किया।

पंचायत सहायक और ग्राम प्रधानों की मिलीभगत से पंचायत भवन में दिख रहा ताला

अमर ख्याल । अभिषेक शुक्ला

सीतापुर। के विकासखंड कसमंडा की अधिकांश ग्राम पंचायतों मे पंचायत भवन का निर्माण करवाया गया था जिसमे पंचायत सहायकों को बैठने के निर्देश मिले थे आप को बताते चले उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने ग्रामीणों को घर बैठे बेहतर सुविधा देने के लिए ग्राम पंचायतों मे पंचायत भवन का निर्माण करवाने के आदेश दिए थे परंतु जनपद सीतापुर के विकासखंड कसमंडा की अधिकांश ग्राम पंचायतों मे जिम्मेदारों के संरक्षण मे पंचायत सहायक अपने कार्य का निर्वाहन नहीं कर रहे है क्यो कि उनको जिम्मेदारों का सहयोग प्राप्त है जिससे पंचायत सहायकों को कोई भय नहीं लगता और अपने घरों मे बैठकर वेतन लिया जा रहा है कार्य के नाम पर पंचायत भवनों मे पड़ा रहता ताला सूत्रों की माने तो विकासखंड कसमंडा की ग्राम पंचायत बसईडीह का मजरा ठिठूरा मे पंचायत भवन का निर्माण करवाया गया था अभी तक पंचायत भवन मे ग्राम प्रधान राजकुमारी ने बैठना तक मुनासिब नहीं समझा सोचने वाली बात तो यह है कि ग्राम पंचायत मे जन चौपाल का आयोजन किया जाता है तो ग्राम प्रधान अपने गांव के परिषदीय विद्यालय मे जन चौपाल का आयोजन करा देती है और उसकी जानकारी अपने चहेतों तक पहुंचाकर उन्हे बुला लिया जाता है

ओले और बरसात से किसानों की फसलें बर्बाद।

अमर ख्याल । अभिषेक शुक्ला

कमलापुर /सीतापुर। जहा पर किसान अपनी फसलों को लगातार जानवरो कीट पतंगों से बचाकर यह उम्मीद लगाए बैठा था कि फसल कुछ ही दिन में तैयार हो जायेगी जिससे किसानों के घर खुश हाली आयेगी वही पर कुदरत के कहर बरसात और ओलो की मार से सारे फसलें नष्ट हो गई। मंगलवार को दिन के समय लगभग पौने दो बजे पानी की बौछारों के साथ भीषण ओला वृष्टि हुई तीस मिनट तक हुई ओला वृष्टि से क्षेत्र के किसानों की तैयार फसलें सरसों,मसूर,मटर,आदि बिलकुल नष्ट होने के कगार पर पहुंच गई है वही पर गेंहू,चना,आदि की फसलों को भी भारी नुकसान हो गया है किसान एक बार फिर फसलों के नष्ट होने से पूरी तरह से हताश हो गए है।इसके अलावा आम के बौर भी नष्ट हो गए है जिससे आम की फसल पर भी इस ओला वृष्टि का असर साफ दिखाई दे रहा है ।

मुकदमें मे गवाही देने पर विवाहिता को सपरिवार जान से मारने की धमकी

अमर ख्याल । बड़ागाँव थाना क्षेत्र के महादेव पुर निवासनी एक विवाहिता को उसके ससुराल के लोगो ने मुकदमा में गवाही देने पर सपरिवार जान से मारने की धमकी दे दी जिससे उक्त विवाहिता के पुरे परिवार मे दहशत का माहौल हो गया है धमकी से डर कर विवाहिता ने पुलिस आयुक्त वाराणसी को प्रार्थना पत्र देकर अपने तथा अपने परिवार के सुरक्षा का गुहार लगाया है पीड़िता ने अपने दिये गये प्रार्थना पत्र मे आरोप लगाया कि उसकी शादी पाँच वर्ष पुर्व जौनपुर जनपद के रामपुर थाना क्षेत्र के कोटगाँव निवासी पंचदेव गिरी के साथ हुई थी शादी के बाद ससुराल पक्ष के लोग उसको दहेज को लेकर प्रताड़ित करते रहते थे जिससे तंग आकर उसने पाँच फरवरी 2023 को एक मुकदमा बड़ागाँव थाने पर अपने ससुराल के नौ लोगों के खिलाफ दर्ज करा कर अपने मायके आकर रहने लगी जिससे नाराज होकर मेरे ससुराल के घनश्याम गिरी,पंचदेव,नीरज गिरी अपने कुछ अज्ञात साथियों के साथ बीते मंगलवार को मेरे मायके आकर मुझे अपशब्द बोलते हुए मेरे घर मे घुसकर गाली गलौज देते हुए मुकदमे में गवाही देने पर सपरिवार जान हे मार देने की धमकी देने लगे पुलिस आयुक्त के निर्देश पर बड़ागाँव पुलिस सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले में अग्रिम कार्यवाही कर रही है।

गुणवत्तापूर्ण कार्य न कराए जाने पर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

अमर ख्याल । मिर्जामुराद। क्षेत्र के बेनीपुर चंगावर मार्ग पर ज्ञानपुर नहर के किनारे सिंचाई विभाग द्वारा बनवाए जा रहे पिचरोड का निर्माणकार्य मानक के विपरीत होने पर मंगलवार को ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर हंगामा कर दिया।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस रोड का कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा होना था लेकिन उपयोक्त मार्ग पर मात्र 1300 मीटर का कार्य सिचाई विभाग द्वारा मैनुवल करने की कोशिश की जा रही है और ये सिचाई विभाग की क्वालिटी ठीक नही है तथा ये केवल पैच बनाकर भाग जाते है जिससे हम सभी में काफी रोष है।ग्रामीणों ने इसकी सूचना सेवापुरी विधायक नीलरतन पटेल 'नीलू' को दिए।विधायक ने मामले को संज्ञान में लेकर अपने प्रतिनिधि दीपक पटेल को मौके पर भेजकर काम को रुकवाया। वही विधायक ने दूरभाष के माध्यम से डीएम व मुख्य विकास अधिकारी को अवगत करा पीडब्ल्यूडी विभाग से गुणवत्तापूर्ण कार्य कराए जाने का मांग किया।प्रदर्शन करने वालो में विकास सिंह, विनोद पटेल, सुरेश, बृजेश, रामविलास पटेल, अनिल पटेल, पतिराज, राकेश, जयशंकर सिंह, अभिषेक कुमार, अवधेश सिंह, अशोक कुमार केशरी, जयराम, अमरजीत, कल्लू सहित दर्जनों ग्रामीण रहे।

नौ दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन आज

अमर ख्याल । रोहनिया/झनवरात्र के पावन पर्व पर नगर पंचायत गंगापुर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री नारायण सेवा ट्रस्ट के तत्वाधान में श्री राम कथा महोत्सव का आयोजन किया गया है जो आज से अयोध्या के पावन धरती से महाराज परम पूज्य श्रद्धा श्री सुखनंदन शरण महाराज जी के श्री राम कथा महोत्सव प्रतिभाग करेंगे जो नौ दिवसीय कार्यक्रम किया जायेगा। दकार्यक्रम की जानकारी पंडित नारायण दत्त पांडे ने दिया।

मूसलाधार बारिश के साथ गिरे ओले, किसानों के माथे पर चिंता

अमर ख्याल । मिर्जामुराद। क्षेत्र के मिजार्मुराद, गौर, चक्रपानपुर, खालिसपुर, लालपुर, राने चट्टी, कछवांरोड, ठठरा, छतेरी, तमाचाबाद, रूपापुर,, करधना, बेनीपुर, खजुरी, रखौना, नागेपुर व मेहंदीगंज समेत आदि गांव में मंगलवार की रात गरज व चमक के साथ मूसलाधार बारिश के साथ ओले गिरने लगे जिससे किसानों के माथे पर चिंता छाया हुआ है।बिना मौसम के मूसलाधार बारिश व ओले गिरने की वजह से आम का बौर, चना, सरसों व गेंहू को को काफी नुकसान पहुंचा है। क्षेत्र के किसान कल्लू बिंद व पग्गल राजभर ने बताया कि इस मूसलाधार बारिश व ओले की वजह से किसानों के बोए गए गेहूं के हजारों एकड़ फसल खेत में लेट कर खराब हो जाएगा।

भाजपा के तीन दिवसीय स्वच्छ्ता अभियान के तहत आज राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार ने भी लगाई झाड़ू

अमर ख्याल । वाराणसी। 21 मार्च काशी के लोकप्रिय सांसद एवं भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काशी आगमन के पूर्व पीएम मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट स्वच्छता के तीन दिवसीय अभियान का आज महानगर के 100 वार्डो के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रो में भी शुभारम्भ हुआ।इस अभियान के तहत आज पूर्वान्ह 8 बजे प्रदेश सरकार के आयुष,खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ दयाशंकर मिश्र ₹ दयालु₹ की अगुवाई में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल अंतर्गत गिरजाघर चौराहे से कोदई चौकी तक स्वच्छ्ता अभियान चलाया गया जिसमे मंत्री जी ने कार्यकताओं संग स्वयं भी सड़क पर झाड़ू लगाया। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ दयाशंकर मिश्र ₹दयालु ने कहा कि 2014 से पहले काशी स्वच्छता की रेंकिंग में अंतिम पायदान पर था लेकिन 2014 में जब मोदी जी काशी के सांसद एवं प्रधानमंत्री बने उसी वर्ष पीएम मोदी ने काशी से स्वच्छता अभियान शुरूआत की और ये स्वच्छता अभियान आज पुरे देश में स्वच्छता आंदोलन का रुप ले चुका है। कहा कि आज देश के सबसे स्वच्छ शहरों की रैंकिंग में काशी को भी गिना जाता है। कहा कि हर बार जब पीएम अपने संसदीय क्षेत्र काशी में आते हैं तब संगठन के निदेर्शानुसार शहर के प्रमुख चौराहों, महापुरुषों की प्रतिमाओं, मंदिरों, मठों, घाटों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाता है जिसमें पार्टी कार्यकताओं के साथ आम जनों की भी भागीदारी होती है। इस अवसर पर मंत्री जी के साथ जनसंपर्क अधिकारी गौरव राठी जितेंद्र यादव बाबू संतोष सैनी आकाश वर्मा सौरभ राय बबलू मिश्रा जय विश्वकर्मा कौशल मिश्रा सौरभ पाठक सर्वेश वर्मा आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे !

तंबौर मे एशियन हास्पिटल का किया गया उद्घाटन

अमर ख्याल । अंकित मिश्रा

सीतापुर। विकास खण्ड बेहटा क्षेत्र के कस्बा तम्बौर मे आज एशियन हॉस्पिटल का फीता काटकर किया गया शुभारम्भ मंगलवार को कस्बे के बुढ़ानदीन चौराहा स्थित बिसवां खुर्द रोड पर डॉक्टर अकरम अंसारी व डॉक्टर इबादत अली,डॉक्टर आफताब के द्वारा एशियन हॉस्पिटल एन्ड चाइल्ड केयर का शुभारम्भ किया गया इस दौरान कस्बे के उधोगपति इसराइल अंसारी,हबीब सुल्तान,मास्टर मुशीर आलम,मौलाना कलीम के द्वारा फीता काटकर हॉस्पिटल का उद्घाटन किया गया।उद्घाटन के बाद आये हुए लोगों को मिष्ठान वितरित किया गया डॉक्टर अकरम अंसारी ने बताया कि हमारे हॉस्पिटल में डेंगू,मलेरिया,दिमागी बुखार,गठिया,जोड़ों का दर्द,मिर्गी,दौरा,फालिज,पेट रोग,प्लेटलेट कम होना,बांझपन,ल्यूकोरिया,बार बार गर्भपात होना,गुर्दे की पथरी,शुगर,चक्कर आना,थाइराइड,मानसिक रोग,डायरिया समेत तमाम बीमारियों का इलाज स्पेशलिस्ट डॉक्टरों का द्वारा किया जायेगा।व हॉस्पिटल में चौबीस घण्टे इमरजेंसी की सुविधा उपलब्ध रहेगी।उद्घाटन के दौरान मेराज प्रधान,गुड्डू बेग,एडवोकेट शमीम बेग,यसीर गौरी,फराज खान,हारून खान,लतीफ अंसारी,फिजा अंसारी,मन्नू अंसारी समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे

बिद्युत करंट लगने से हुई मौत मचा हाहाकार दो मासूम बच्चों के सर से उठ गया पिता का साया

अमर ख्याल । विपिन तिवारी

सीतापुर। जनपद मे हरगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत लहरपुर हरगांव राजमार्ग पर एक गांव में मंगलवार की सुबह शौच को जा रहे एक 32वर्षीय युवक की टूटे पडे 11000 हजार वाट के बिजली के तार के स्पर्श हो जाने से मौके पर ही मौत हो गयी।सूचना पाकर पहुंची हरगांव पुलिस ने मौके की जांच की।प्राप्त जानकारी के अनुसार हरगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत लहरपुर हरगांव राजमार्ग पर ग्राम माहिमपुर में मंगलवार की सुबह 5बजे शौच को जा रहे बृजेश कुमार 32वर्ष पुत्र रामेश्वर दयाल राजमार्ग के किनारे टूटे पडे 11000 पावर के बिजली के तार जिसमें करंट प्रवाहित हो रहा था के चपेट में आ गए ।जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी।ग्रामीणों के अनुसार 11000 हजार वाट के बिजली का तार रात में टूट गया था ।परन्तु विद्युत अधिकारियों की लापरवाही से इसका करंट बंद नही किया गया था।जिससे टूटे पडे तार में करंट प्रवाहित हो रहा था।इससे विद्युत अधिकारियों की लापरवाही के चलते एक युवक की मौत हो गयी।मौके पर भारी भीड़ लग गयी।गांव में हाहाकार मच गया।सूचना पाकर मौके पर हरगांव थाना प्रभारी निरीक्षक हरगांव भानु प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।मृतक अपने पीछे माता पिता, पत्नी व दो मासूम लड़को व भाई बहनों को रोता विलखता छोड गया है।मृतक का एक लडका 8वर्ष व दूसरा 2वर्ष का है।थाना प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

रात में पुडिया ना देना महिला को पड़ा भारी दबंगों ने चोरी की घटना को दे दिया अंजाम

अमर ख्याल । सोनी कुमारी

महराजगंज/रायबरेली। महिला ने लगाया आरोप पुड़िया ना देने पर दबंगों ने दुकान में चोरी की घटना को दीया अंजाम । महराजगंज कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर देते हुए माया पत्नी रामसनेही निवासी ग्राम पुरे रानी मंजरे ओथी ने तहरीर में बताया कि आलोक पुत्र अज्ञात निवासी जगदीशपुर रामू पुत्र गजोधर निवासी कैलाशपुर मंजरे कोटवा मदनिया शंकर मंसाराम मेरी दुकान पर आए उस वक्त मै अपनी दुकान में कुंडी लगाकर अंदर भोजन कर रही थी कि आलोक नाम का लड़का आया जो लाइनमैन है उसने प्रार्थिनी से पुड़िया मांगी प्रार्थिनी ने कहा रात 10:00 बजे है पुडिया नहीं दे सकती तब आलोक गाली देते हुए कहा तुम्हारी ऐसी तैसी कर देंगे उसके बाद दुकान में चोरी हो गई। जिसमें साबुन तेल शक्कर एवं अन्य सामान सहित रुपए 20 हजार नगद उठा ले गए प्रार्थिनी माया देवी ने कोतवाली प्रभारी से न्याय की गुहार लगाई।

कांग्रेसी प्रदेश महासचिव सुशील पासी के पिता के निधन पर दौडी शोक की लहर क्षेत्र में

अमर ख्याल । सोनी कुमारी

महराजगंज/रायबरेली। प्रदेश महासचिव सुशील पासी के पिता के निधन पर दौडी शोक की लहर है। कांग्रेसी नेता सुशील पासी के पिता सूर्य बली की लंबी बीमारी के चलते आज निधन हो गया उनके निधन की सूचना जैसे ही लोगों को मिली जनप्रतिनिधियों सहित क्षेत्र के लोगों का उनके आवास पर जमावड़ा लग गया। देखते ही देखते हजारों की संख्या में लोग कांग्रेसी नेता सुशील पासी के घर पर उपस्थित हो गए अंबेडकर ग्रुप आप कॉलेज के संस्थापक सुशील पासी क्षेत्र में काफी लोकप्रिय हैं। इनके पिता सूर्य बली परिवहन विभाग में हेड कैशियर के रूप में अपनी सेवाएं देने के बाद रिटायर हुए थे काफी समय से वह बीमार चल रहे थे । वही रोडवेज यूनियन के नेता रह चुके समाजसेवी सूर्य बली के निधन पर बछरावां विधायक श्यामसुंदर भारती बीजेपी नेता एमडी पासी बीजेपी नेता पवन साहू व्यापारी नेता विमल रस्तोगी पूर्व विधायक राजाराम त्यागी स्वामी दयानंद इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रबंधक सत्येंद्र सिंह अटल भारतीय हिंदू फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष रामसुमेर ग्राम प्रधान भगवानदीन फौजी ग्राम प्रधान रमेश मौर्य ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जुगुन तिवारी ग्राम प्रधान सुनील मौर्य ग्राम प्रधान विनोद धोबी ग्राम प्रधान अखिलेश मौर्य समाजवादी पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष समर बहादुर यादव सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे

प्रदेश मंत्री ने किया बूथ का सत्यापन

अमर ख्याल । रजनेश कुमार

सीतापुर। जनपद के मण्डल शाहपुर मे भारतीय जनता पार्टी मंडल शाहपुर शक्ति केंद्र रतौली के बूथ संख्या 365-366 मुसियाना में बूथ सशक्तिकरण प्रवास के मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री व जिला प्रभारी त्र्यंबक त्रिपाठी साथ में जिला मंत्री व मंडल प्रभारी सुनील मिश्रा , जिला मंत्री जया सिंह , मंडल अध्यक्ष संतोष मौर्य जी उपाध्यक्ष मयंक शेखर पाण्डेय जी संयोजक आलोक पाण्डेय जी , प्रभारी राजेश मौर्य जी , आई टी संयोजक जितेंद्र रस्तोगी कपिल तोमर मनोज चौहान सियाराम मिश्र बूथ अध्यक्ष झब्बू लाल , प्रेम सागर , उपस्थित रहे , प्रदेश मंत्री ने बूथ कमेटी का सत्यापन किया और कार्यकताओं को उनके दायित्व की जानकारी देकर उनको सम्मानित भी किया , मंडल अध्यक्ष संतोष मौर्य ने सबको धन्यवाद देकर कार्यक्रम का समापन किया

अशरफाबाद गांव में पंडित दीनदयाल उपाध्याय आरोग्य मेले का हुआ आयोजन

अमर ख्याल । सोनी कुमारी

महराजगंज/ रायबरेली। क्षेत्र के अशरफाबाद गांव में पंडित दीनदयाल उपाध्याय आरोग्य मेले का किया गया आयोजन । जिसमें मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान प्रतिनिधि एवं अमावा प्रधान संघ अध्यक्ष ऋषि सिंह रहे ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ऋषि सिंह ने फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया। तथा पशुपालकों द्वारा गोवंश संरक्षण पर जोर दिया गया पशुधन बीमा पशुधन केसीसी मुख्यमंत्री गोवंश सहभागिता योजना तथा पशुपालकों की आय बढ़ाने हेतु पशु चिकित्सा अधिकारी अमावां द्वारा विशेष जानकारी दी गई शिविर में कुल 352 पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया एवं उन्हें संबंधित बीमारियों की दवाएं भी दी गई। इस मौके पर पशुधन प्रसार अधिकारी धर्मेंद्र कुमार सिंह देवेश कुमार राजेंद्र सिंह राजीव कुमार राधेश्याम राजेश सिंह फौजी अनिल सिंह गोपाल सिंह रिंकू सिंह अमित सिंह मुकेश कोटेदार कपिल सिंह सहित भारी संख्या में पशुपालक मौजूद रहे ।

पूर्व सांसद रघुराज सिंह शाक्य पहुंचे गिर्राज जी की शरण में

अमर ख्याल । राजेश कुमार मथुरा। पूर्व सांसद रघुराज सिंह शाक्य मंगलवार को धार्मिक यात्रा पर परिवार सहित गिरराज धाम पहुंचे। कुसुम सरोवर सीता राधा रसोई के सेवक रामदास शुक्ला बाबा से आशीर्वाद लिया। इसके बाद पूर्व सांसद नारद कुंड पर पहुंचे। महंत दीनबंधु शरण महाराज के सानिध्य में विधि-विधान से पूजा अर्चना की। इससे पूर्व मुकुट मुखारविंद मानसी गंगा व दानघाटी मंदिर पर परिवार सहित पूजा कर मनौती मांगी। इस दौरान पूर्व सांसद ने कहा के केंद्र की मोदी व प्रदेश में योगी सरकार सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए विकाश कार्य कर रही है। सबका विकास हो रहा है। नारद कुंड का भी ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने जीर्णोद्धार कराया है। इसके अलावा ब्रज में अन्य जगह के पौराणिक एवं धार्मिक स्थलों का विकास कराया जा रहा है। भाजपा सरकार में जनता सुरक्षित है। अपराध व भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है।2024 में पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनेगी। ब्रज के कण-कण में भगवान का वास है। केसरिया हिंदू वाहिनी के ब्रज क्षेत्र मीडिया प्रभारी पंडित उत्तम शर्मा ने श्रीमद् भागवत गीता भेंट कर पूर्व सांसद का सम्मान किया। इस दौरान सीमा शाक्य, सानू शाक्य प्रवीण शाक्य ,भाजपा नेता चंद्रपाल राजावत व शिवपाल शाक्य मौजूद रहे।

बेमौसम बरसात ओलावृष्टि से फसल? बमुर्बाद मुआवजा जैसी मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

अमर ख्याल । राजेश कुमार

मथुरा। भारतीय किसान यूनियन टिकैत मथुरा द्वारा असमय हो रही बारिश ओलावृष्टि से बर्बाद उत्तर भारत के किसानों को राहत एवं मुआवजा जैसी मांगों को लेकर 4 सूत्री ज्ञापन प्रदर्शन कर जिलाधिकारी मथुरा की अनुपस्थिति में नगर मजिस्ट्रेट श्री सौरभ दुबे जी को सोपा।

प्रदर्शन के दौरान भारतीय किसान यूनियन टिकैत के महानगर अध्यक्ष पवन चतुवेर्दी लुकेश कुमार राही वरिष्ठ सलाहकार महानगर रमेश सैनी जिला सलाहकार किसान यूनियन(टिकैत) महानगर ने संयुक्त रूप से कहा प्राकृतिक आपदा के दौरान बीमा कंपनियां लापरवाही बरसती रही है सरकार को तत्काल सर्वे कराकर ?50000 प्रति एकड मुआवजा दिया जाए किसानों को तत्काल राहत प्रदान कराई जाए देश का किसान मरने की कगार पर पहुंच गया है ज्ञापन प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने शीघ्र मांग ना पूरी होने पर केंद्रीय नेतृत्व के आदेश पर आंदोलन की चेतावनी दी इस मौके पर रमेश सैनी पवन चतुवेर्दी लुकेश कुमार राही राजकुमार आजाद सचिन गोविंदपुर फैजान कुरैशी फतेह सिंह प्रधान नारसिंह सेवा गोविंदपुर नीरज पिसावा चित्रसेन मौर्य कैलाश सैनी एडवोकेट रवी आदि उपस्थित रहे

समाजसेवी मजहर खान द्वारा मुफ्त चिकित्सा शिविर का किया गया आयोजन

आशा बहुओं का किया गया सम्मान

अमर ख्याल । सोनी कुमारी

महराजगंज/ रायबरेली। क्षेत्र के थुलवांसा गांव में समाजसेवी मजहर खान द्वारा मुक्त चिकित्सक का आयोजन किया गया। समय-समय पर समाजसेवी मजहर खान द्वारा समाज के हित में एवं गरीब शोषित वंचितों के लिए विभिन्न तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है इसी कड़ी में आज मुफ्त चिकित्सा कैंप का आयोजन किया गया जिसमें डॉ राजीव चौधरी डॉ कैफ खान डॉक्टर हामिद खान डॉक्टर अकीब खान डॉक्टर नौसीन खान द्वारा 300 से 400 लोगों की निशुल्क जांच की गई एवं संबंधित रोगों की मुफ्त में दवाइयां भी दी गई। और शास्त्र क्षेत्र की समस्त आशा बहुओं को गिफ्ट देकर मजहर खान ने उन्हें सम्मानित किया इस मौके पर रुबीना कुरैशी नदीम खान किशन यादव रवि यादव पुनीत श्रीवास्तव सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे ।

मौसम का मिजाज बदलने से बीमारियों ने पांव पसारे

अमर ख्याल । विपिन तिवारी

सीतापुर। जनपद के थानगांव मे मौसम का मिजाज बदलने से बीमारियों ने भी पांव पसारना शुरू कर दिया है। सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों में इस समय बुखार, उल्टी-दस्त व अन्य बीमारियों के रोगियों की संख्या बढ़ रही है। ग्रामीणों की शिकायत है कि रोगियों की तादाद बढ़ने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग रोकथाम का कोई इंतजाम नहीं कर रहा है। इस समय दिन में गर्मी और रात में मौसम सर्द होने लगा है, साथ ही रात में ओस भी गिर रही है। मौसम का मिजाज बदलने से बीमारियां भी तेजी से पांव पसार रही हैं। इसके अलावा मच्छरों के प्रकोप से भी बीमारी फैल रही है। ज्यादातर लोग बुखार की चपेट में हैं। थानगांव क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में तो कई जगह घर-घर बुखार के रोगी मिल जाएंगे। रेउसा में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की खूब भीड़ उमड़ रही है। इस स्वास्थ्य केंद्र के अलावा क्षेत्र के थानगांव गंगापुरवा राजपुर , मारुबेहड,जैसी आदि जगहों पर प्राइवेट दवाखानों व झोलाछाप डॉक्टरों के यहां भी मरीजों की भीड़ देखी जा सकती है। मरीजों की बढ़ती संख्या का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि गांवों में कुछ झोलाछाप डॉक्टर घूम-घूम कर इलाज कर रहे हैं। वहीं, गांव वालों की यह शिकायत भी है कि सरकारी अस्पतालों में दवाओं तक का टोटा है। मरीजों को दवाएं बाहर से लिखी जा रही हैं। रेउसा स्वस्थ केंद्र में मौजूद डाक्टर ने बताया की मौसम के बदलाव की वजह से मौसमी बीमारियां फैल रही हैं। ऐसे में बचाव ही इसका इलाज है।

नारी को अबला समझना कायरता, सोच बदलें - डॉ राजेश

अमर ख्याल । राजेश कुमार मथुरा। आजकल देश में महिलाओं पर अत्याचार की तादाद बढ़ती जा रही है। सही मायने में अन्याय तथा अत्याचार किसी सभ्य समाज की निशानी नहीं हो सकती हैं. फिर समाज के एक बहुत बड़े भाग यानि स्त्रियों के साथ ऐसा करना प्रकृति के विरुद्ध हैं. नारी को भी वो सभी प्राकृतिक अधिकार हासिल है जो कि एक पुरुष को हैं. उन्हें अबला मानकर उन पर अत्याचार करने का आशय कायरता हैं. आप किसी सामान्य 10 इंसानों से पूछ लीजिये नारी अत्याचारों का कारण क्या है, संभव है आपको अधिकतर कारण ये गिनाएगे कि जींस नहीं पहननी चाहिए, अकेले नहीं जाना चाहिए, रात को घर से बाहर नही निकलना चाहिए. गौर करे तो यही कारण है नारी अत्याचार के तो फिर हमारे समाज और जंगल में फर्क क्या रह जाता हैं. यह ही सलाह दी जाती है कि अकेले न जाए, रात को न जाए. फिर क्या मतलब है कानून का समाज का व्यवस्था का. क्या उन्हें लडकों की तरह पहनने, घूमने की आजादी नही. पुरुषों को अपनी सोच को बदलना चाहिए. इन्सान की सोच गंदी नहीं हो तो फिर सारी बाते कोई मायने नहीं रखती हैं. आज किसी भी क्षेत्र में नजर उठाकर देखियें, नारियां पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर प्रगति में समान की भागीदार हैं. फिर उन्हें कमतर क्यों समझा जाता है यह विचारणीय हैं. हमें उनका आत्मविश्वास बढाकर उनका सहयोग करके समाज की उन्नति के लिए उन्हें साहस और हुनर का सही दिशा में उपयोग करना चाहिए तभी हमारा समाज प्रगति कर पाएगा. इसके अलावा उन्हें तरह-तरह की यातनाएं भी दी जाती हैं। नारी को एक बंधुआ मजदूर की तरह परेशान करते हैं और हर प्रकार से उसका शोषण करते हैं। हर व्यक्ति को यह समझना चाहिए कि नारी भी एक इंसान है, इसलिए उसका सम्मान करना चाहिए फिर चाहे वह अपने घर की नारी हो या फिर दूसरे किसी घर की नारी हो। हमारी कथनी में जहाँ नारियों का सम्मान सोशल मीडिया पर किया जाता है उतना ही धरातल पर किया जाए तो नारियों पर अत्याचार की घटनाएं में अंकुश लग सकेगा। भारत में अब महिलाओं पर अत्याचार, हिंसा और शोषण जैसी अमानवीय घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं. यदि हिंसा के नए रूपों की बात करें तो इनमें किसी महिला की शालीनता को अपमानित करने के इरादे से प्रयोग किये जाने वाले शब्द, अश्लील इशारा, गलत नीयत से पीछा करना, कमैंट कसना, अवैध व्यापार, बदला लेने की नीयत से तेजाब डालना, साइबर अपराध और लिव इन रिलेशनशिप के नाम पर शोषण प्रमुख है. जबकि पहले से ही जादू टोना के नाम पर महिलाओं के साथ शारीरिक शोषण, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, महिलाओं के साथ होने वाला हिंसा आज भी बदस्तूर जारी है. और तो और जाति के आधार पर थानों में महिलाओं की सुनवाई तक नहीं होती। नारी अत्याचार को अंजाम देने वाले मनचलों के लिए विशेष कानूनों तथा कठोर सजा का प्रावधान किया जाना चाहिए. कई बार आँखे शर्म से झुक जाती है जब कि 5-7 साल की बच्ची के साथ बलात्कार, गैंगरेप जैसी घटना सुनते हैं। असल में लोगों की सोच में ही अपराध बसा हुआ हैं बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ अभियान के जरिये भारत सरकार निरंतर बालिकाओं को जन्म देने तथा उन्हें शिक्षित करने के लिए प्रेरित कर रही हैं.

मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत अभियुक्त को 08 वर्ष सश्रम कारावास व अर्थदंड की सजा

अमर ख्याल । विपिन तिवारी सीतापुर। जनपद मे पुलिस अधीक्षक घुले सुशील चन्द्रभान द्वारा न्यायालय में प्रचलित वादो में समस्त थाना प्रभारियों को सतत पैरवी हेतु निर्देशित किया गया है। इस क्रम में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिला संबंधी अपराधों में सतत पैरवी के फलस्वरूप आज दिनांक 21.03.2023 को न्यायालय में प्रचलित वाद में न्यायलय द्वारा विचारण पूर्ण कर थाना मिश्रिख से 4 पास्को एक्ट बनाम गंगाराम पुत्र मूलचन्द निवासी ग्राम केशवपुर थाना मिश्रिख जनपद सीतापुर में पुलिस द्वारा न्यायालय से निर्गत सम्मन को तामीला कराकर गवाहों को समय से न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

छुट्टा गौवंश के समाधान की मांग

अमर ख्याल । राजेश कुमार मथुरा। जनपद के गोवर्धन ब्लॉक कार्यालय में स्थित चौ. चरण सिंह सभागार में ब्लॉक प्रमुख विपिन चौधरी एवं खंड विकास अधिकारी की अध्यक्षता में समस्त ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सदस्यों की खुली बैठक सम्पन्न हुई। यह खुली बैठक प्रधानों व ग्राम पंचायत सदस्यों ने ग्रामीण की प्रमुख समस्याओं में शुमार छुट्टा गौवंशों से छुटकारा दिलवाने की मांग के साथ पिछले व आगामी विकास कार्यों की जानकारी एवं विकास कार्यों में आ रहीं समस्याओं, श्मशान भूमि, खरंजा, पानी सम्बंधित एवं मनरेगा से जुड़ी समस्याओं आदि को रखा। लगभग सभी ग्राम प्रधानों व ग्राम पंचायत सदस्यों द्वारा बारी बारी से अपनी समस्याएं बीडीओ एवं ब्लॉक प्रमुख के सामने रखा गया जिनके शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया बीडीओ व ब्लॉक प्रमुख ने दिया है।

बॉलीवुड

तेजस्वी प्रकाश

की मराठी फिल्म स्कूल कॉलेज एनी लाइफ का ट्रेलर रिलीज

तेजस्वी प्रकाश टेली टाउन के सबसे प्रमुख चेहरों में से एक हैं। कुछ ही समय में अभिनेत्री ने उद्योग में अपने लिए एक जगह बनाई है। डेली सोप के साथ-साथ वह रियलिटी शो में भी अपनी काबिलियत साबित कर चुकी हैं।

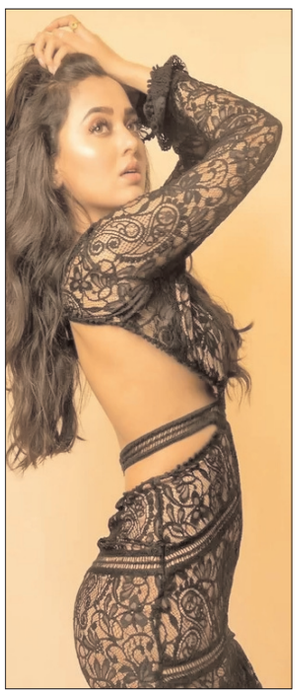

वह रोहित शेट्टी के स्टंट-आधारित रियलिटी शो, खतरों के खिलाड़ी, सीजन 10 में दिखाई दीं और सेमी-फ़ाइनल सप्ताह में पहुंचने के बाद चिकित्सा कारणों से चली गईं। वह सलमान खान द्वारा होस्ट किए गए रियलिटी शो बिग बॉस 15 की विजेता बनकर उभरीं और तब से उनकी लोकप्रियता बढ़ रही है। बिग बॉस के बाद उन्हें एकता कपूर के लोकप्रिय शो नागिन 6 में मुख्य भूमिका मिली। अब अभिनेत्री स्कूल कॉलेज एनी लाइफ़ नामक एक मराठी फिल्म में अभिनय करने के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म विहान सूर्यवंशी द्वारा निर्देशित और रिलायंस एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर रोहित शेट्टी, पवित्रा गांधी और विवेक शाह द्वारा निर्मित है। यह फिल्म रोहित शेट्टी की मराठी सिनेमा में पहली फिल्म है। इसमें तेजस्वी प्रकाश और करण परब मुख्य भूमिका में हैं। निर्माताओं ने अब फैमिली एंटरटेनर का ट्रेलर जारी कर दिया है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे एक युवा स्कूल और कॉलेज जीवन की कठिनाइयों और पुरस्कारों से निपटता है। यह परिवार के साथ घनिष्ठ संबंध, गहरी दोस्ती और प्रेम संबंधों के उतार-चढ़ाव की झलक भी प्रदान करता है। ट्रेलर को देखकर लग रहा है कि यह एक रोमांटिक कॉमेडी है जो पूरे परिवार का मनोरंजन करने वाली है।

रणवीर सिंह ने ब्रांड मामले में विराट कोहली को पछाड़ा

तीन साल तक फॉर्म से आउट होने का भुगतना पड़ा खामियाजा

भारत में अबतक सबसे मंहगे ब्रांड एंबेस्डर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली थे अब उनकी जगह को बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह ने ले लिया हैं। वर्ष 2022 में कोहली का ब्रांड मूल्य और भी घटकर 17.79 करोड़ डॉलर रह गया। ब्रांड मूल्य में आई गिरावट का फायदा फिल्म अभिनेता रणवीर सिंह को हुआ है और वह 2022 में सबसे मूल्यवान भारतीय हस्ती बनकर उभरे हैं। दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली को लंबे समय तक खराब फॉर्म से गुजरने का नुकसान अपने ब्रांड मूल्य में आई गिरावट के रूप में चुकाना पड़ा है। वर्ष 2022 में कोहली का ब्रांड मूल्य और भी घटकर 17.79 करोड़ डॉलर रह गया। सलाहकार फर्म क्रॉल की तरफ से जारी एक रिपोर्ट में कोहली के ब्रांड मूल्य में आई गिरावट का जिक्र किया गया है। इसके मुताबिक, 2021 में कोहली का ब्रांड मूल्य 18.57 करोड़ डॉलर था लेकिन पिछले साल यह गिरकर 17.79 करोड़ डॉलर पर आ गया। इसके पहले वर्ष 2020 में कोहली का ब्रांड मूल्य 23.77 करोड़ डॉलर आंका गया था। भारतीय क्रिकेट टीम के अहम बल्लेबाज कोहली वर्ष 2019 के बाद से ही लगातार खराब फॉर्म के दौर से गुजर रहे थे। करीब ढाई वर्षों तक वह कोई अंतरराष्ट्रीय शतक भी नहीं लगा पाए थे। हालांकि, 2022 की दूसरी छमाही में उनकी खोई फॉर्म वापस आती दिखी और उसके बाद से उन्होंने कई यादगार पारियां खेली हैं। हालांकि, क्रॉल की रिपोर्ट कहती है कि कोहली के ब्रांड मूल्य में आई गिरावट का फायदा फिल्म अभिनेता रणवीर सिंह को हुआ है और वह 2022 में सबसे मूल्यवान भारतीय हस्ती बनकर उभरे हैं। पिछले साल रणवीर का कुल ब्रांड मूल्य 18.17 करोड़ डॉलर आंका गया जबकि वर्ष 2021 में वह 15.83 करोड़ डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ दूसरे स्थान पर थे। क्रॉल की मूल्यांकन सेवा के प्रबंध निदेशक अविरल जैन ने कहा, ''रणवीर भारत के सर्वाधिक मूल्यवान ब्रांड बन गए। इसमें उनके व्यापक विज्ञापन पोर्टफोलियो और बढ़ती वैश्विक मौजूदगी की अहम भूमिका रही।'' दक्षिण भारतीय भाषाओं की फिल्मों की राष्ट्रीय स्तर के अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लोकप्रियता बढ़ने का फायदा वहां के फिल्मी कलाकारों को हुआ है। फिल्म 'पुष्पा' के अभिनेता अल्लू अर्जुन (3.14 करोड़ डॉलर) और उनकी साथी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना (2.53 करोड़ डॉलर) देश के शीर्ष 25 ब्रांड मूल्य वाली हस्तियों में शामिल हो गए हैं। ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा 2.65 करोड़ डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ शीर्ष 25 हस्तियों में शुमार हैं। बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधु भी उनके करीब ही हैं। महिला वर्ग में अभिनेत्री आलिया भट्ट का ब्रांड मूल्य तेजी से बढ़कर 2022 में 10.29 करोड़ डॉलर हो गया जबकि उसके साल भर पहले यह 6.81 करोड़ डॉलर था। कुल सूची में चौथे स्थान पर मौजूद आलिया के बाद दीपिका पादुकोण का स्थान है जिनका ब्रांड मूल्य 8.29 करोड़ डॉलर है।

ऑस्कर के बाद 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' को देश में मिला यह बड़ा सम्मान

कार्तिकी गोंसाल्वेस के निर्देशन में बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म द एलिफेंट व्हिस्परर्स ने ऑस्कर जीत कर पूरी दुनिया में भारत का नाम रौशन कर दिया है। यह केवल मेकर्स ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है। इस कैटेगरी में 'हॉलआउट', 'हाउ डू यू मेजर ए ईयर?', 'द मार्था मिशेल इफेक्ट' और स्ट्रेंजर एट द गेट' जैसी शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री फिल्में शामिल हुई थीं, लेकिन 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' ने सभी को मात दे दी। अब हाल ही में, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने चेन्नई में ऑस्कर विजेता द एलिफेंट व्हिस्परर्स के निदेशक कार्तिकी गोंसाल्वेस को सम्मानित किया है। आपको बता दें कि इस डॉक्यूमेंट्री की कहानी में टाइगर रिजर्व के एलिफेंट कैंप का सीन दिखाया गया है। हाथी से बोमन और बेली बातें करते हैं। यह फिल्म देख पश्चिम के लोग चकित हैं कि इंसान जानवर से कैसे बात कर सकता है। यह डॉक्यूमेंट्री भारत की पुरानी परंपरा को दिखाता है, जिसमें इंसान और जानवर के एक करीबी रिश्ते को दिखाया गया है। इंसान और एक जानवर के भावनात्मक रिश्ते को पर्दे पर देख लोगों के आंसू निकल पड़ते हैं। कार्तिकी गोंसाल्वेस को इस डॉक्यूमेंट्री फिल्म के लिए उन्हें दुनियाभर में सम्मानित किया जा रहा है। द एलिफेंट व्हिस्परर्स में हाथी के झुंड से बिछड़े हुए एक हाथी के बच्चे रघु की एक कहावत के साथ मानवीय संवेदनाओं की कहानी है। इसी को देखते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने भी अपनी तरफ से कार्तिकी गोंसाल्वेस को पूरे प्रदेश के सामने सम्मानित किया है और उनका हौसला बढ़ाया है।

बता दें कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने निर्देशिका कार्तिकी गोंसाल्वेस को एक शॉल और एक ट्रॉफी से सम्मानित किया। यह वीडियो ट्विटर समेत सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। फैंस कार्तिकी की तारीफ करते हुए उन्हें इस सम्मान के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। इस फिल्म ने जानवरों के प्रति इंसानों की भावनाओं को केंद्र में लाकर इसे लोगों में दोबारा जागृत कर दिया है।

तापसी पन्नू

ने बोल्ड फोटोशूट में ऐसे किया हिंदू धर्म का अपमान!

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपने फैशन सेंस को लेकर भी लाइमलाइट में रहती हैं। साथ ही एक्ट्रेस को सम-सामयिक मुद्दों पर अपना विचार साझा कर सुर्खियां बटोरते देखा जाता है। वहीं, अब तापसी अपने लेटेस्ट फोटोशूट को लेकर हेडलाइंस का हिस्सा बन रही हैं। एक्ट्रेस ने डीप-नेक आउटफिट के साथ ऐसी एक्सेसरी कैरी की है, जिसे देख सोशल मीडिया यूजर्स का पारा चढ़ गया है और लोगों ने उन्हें आड़े हाथों लेना शुरू कर दिया है। तापसी पन्नू ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट को अपडेट करते हुए एक तस्वीर साझा की है। इस पिक्चर में डीवा रेड कलर की सेक्विन डीप-नेक आउटफिट में कहर बरपाती नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने कर्ली शॉर्ट बालों को खुला छोड़ रखा है, साथ ही वह लाइट-ग्लासी मेकअप से काफी हसीन लग रही हैं। हालांकि, एक्ट्रेस के लुक को छोड़ सबकी नजर उनकी एक्सेसरी पर जा टिकी है। तापसी पन्नू ने इस बोल्ड आउटफिट के साथ हिंदू धर्म की देवी लक्ष्मी की प्रतिमा वाला हैवी नेकलेस पहना हुआ है। लोगों को इस आउटफिट के साथ एक्ट्रेस का नेकलेस चुनाव बिल्कुल पसंद नहीं आया है। इसी वजह से तापसी को सोशल मीडिया पर जमकर लताड़ लगाई जा रही है।

एक्ट्रेस ने अपने सुपर सिजलिंग फोटोशूट की तस्वीर को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, यह लाल रंग कब मुझे छोड़ेगा। तापसी की इस फोटो को अबतक इंस्टाग्राम वर्ल्ड में लाखों लाइक्स मिल चुके हैं। लेकिन कमेंट सेक्शन में पॉजिटिव से ज्यादा नेगेटिव कमेंट्स देखने को मिल रहे हैं। तापसी पन्नू की इस तस्वीर पर एक यूजर ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है, तापसी को शर्म आनी चाहिए। पूरी तरह से घृणित... किसी भी धर्म के प्रतीक को आप कैसे प्रतिनिधित्व करते हैं, ये आपको एक सेलिब्रिटी के रूप में पता होना चाहिए। दूसरे ने लिखा है, ऐसी वल्गर ड्रेस में मां लक्ष्मी का हार पहना है, शर्म नहीं आती।

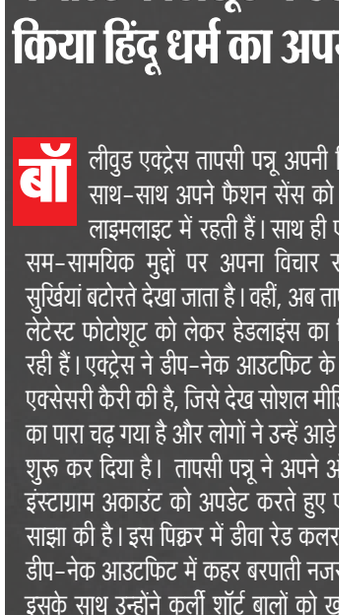

खुलासा

सारा अली खान

के 'ब्रेकअप' पर कैसा होता है मां अमृता का रिएक्शन

सारा अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म गैसलाइट के प्रमोशन में जुटी हुई हैं। इस मूवी में एक्ट्रेस, विक्रांत मैसी और चित्रांगदा सिंह के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। इसी को लेकर सारा कई मीडिया संस्थान से भी बातचीत कर रही हैं। वहीं, एक्ट्रेस ने लेटेस्ट इंटरव्यू में अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कई खुलासे किए हैं। साथ ही यह भी बताया है कि जब उनका किसी से ब्रेकअप होता है, तो इस पर उनकी मां अमृता सिंह कैसे रिएक्ट करती हैं। गौरतलब हो कि सारा अली खान ने अपनी फिल्म लव आज कल के को-स्टार कार्तिक आर्यन को डेट किया था। इस बात को वह कॉफी विद करण शो में भी कबूल कर चुकी हैं। वहीं, सैफ अली खान की लाडली एक प्रमुख मीडिया संस्थान से इंटरव्यू में अपने ब्रेकअप पर मां अमृता सिंह के रिएक्शन का खुलासा करती नजर आई हैं। सारा अली खान से पूछा गया कि उनके ब्रेकअप पर मां अमृता सिंह का कैसा रिएक्शन होता है। इस पर सारा ने खुलासा करते हुए बताया कि उनकी मां उनसे बस दो शब्द ठीक है (इट्स ओके) कहती हैं। गौरतलब हो कि सारा अली खान अपनी मां के साथ बेस्ट फ्रेंड वाला बॉन्ड शेयर करती हैं। मां-बेटी को एक साथ वेकेशन एन्जॉय करते और खास दिन पर एक-दूजे पर प्यार बरसाते देखा जाता है। इंटरव्यू में सारा अली खान से उनकी साल 2020 की फिल्म लव आज कल के फ्लॉप होने पर पिता सैफ का रिएक्शन पूछा गया। इस पर एक्ट्रेस ने कहा, वह खुश नहीं थे। उन्हें परफॉर्मेंस पसंद नहीं आई। काम के मोर्चे पर, सारा गैसलाइट की रिलीज के लिए प्रमोशन में जी-जान लगा रही हैं। यह फिल्म इसी महीने की 31 तारीख को ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने वाली है। इसके साथ ही उनके पास लक्ष्मण उतेकर की अनटाइटल्ड फिल्म भी पाइपलाइन में हैं, जिसमें उन्हें विक्की कौशल संग स्क्रीन शेयर करते देखा जाएगा। सारा के खाते में करण जौहर की फिल्म ऐ वतन मेरे वतन में भी है। इसमें सारा को एक बहादुर स्वतंत्रता सेनानी के किरदार में देखा जाएगा। इतना ही नहीं सारा अनुराग बसु की मूवी मेट्रो इन दिनों में भी देखी जाएंगी।

बॉलीवुड

सैफ संग शादी के बाद क्या करीना कपूर को कबूलना पड़ा था इस्लाम?

करीना कपूर खान बॉलीवुड की वो एक्ट्रेस हैं जिन्होंने शुरूआत में लाखों दिलों पर राज किया लेकिन शादी के बाद वह लंबे समय तक लोगों की अलोचना का शिकार होती रही हैं। कपूर खानदान की लाडली ने अपने से बड़ी उम्र के सैफ अली खान से शादी रचाई। हिंदू-मुस्लिम-अलग अलग धर्म होने के कारण ये शादी लोगों के निशाने पर आ गयी और कई लोगों ने करीना कपूर खान को नापसंद करना शुरू कर दिया। खैर नफरत की बातें अलग है यहां हम प्यार की बातें करेंगे, क्योंकि जब प्यार होता है तो वह न तो उम्र की सीमा को देखता है और न ही धर्म की बेड़ियों में कैद होता हैं प्यार तो बस प्यार होता हैं और ये किस्मत से ही मिलता हैं। करीना कपूर खान को सैफ अली खान के रुप में मिला। बॉलीवुड के और भी कई मशहूर कपल है जो एक ही धर्म के हैं लेकिन उन सबको लेकर कभी न कभी ऐसी अफवाहें जरूर उड़ी कि वह अलग हो रहे हैं, लेकिन तमाम विवादों के बावजूद करीना कपूर और सैफ अली खान के बीच कोई तनाव या विवाद है, ऐसी खबरें कभी मीडिया में नहीं आयी। साल 2012 में जब दोनों की शादी हुई तब भी ये सवाल उठा था कि क्या सैफ अली खान से शादी करने के बाद करीना कपूर खान ने इस्लाम कबूल कर लिया हैं! दोनों धर्मों से जुड़े करीना के फैंस के दिल में ये सवाल था। इस सवाल का जवाब करीना ने तो नहीं बल्कि सैफ अली खान ने एक इंटरव्यू में दिया था। आज हम आपको उसी इंटरव्यू के कुछ अंश को बताने जा रहे हैं कि क्या करीना कपूर ने इस्लाम को कबूल किया या नहीं? करीना कपूर के पति सैफ अली खान ने एक इंटरव्यू में कहा कि मैं नहीं चाहता था कि करीना कपूर अपना धर्म बदले। धर्म के साथ ये सबसे बड़ी दिक्कत है कि लोग इसमें कंवर्जन चाहते हैं। सैफ अली खान ने अपनी सोच के बारे में बात करते हुए कहा कि मैं कंवर्जन में बिलकुल भी भरोसा नहीं करता। सैफ ने उन पलों पर भी बात कि जब करीना को लोगों की हेट्स का सामना करना पड़ा था क्योंकि उन्होंने हिंदू होने के बावजूद मुस्लिम धर्म में शादी की थी। सबको लगा था कि करीना ने अपना धर्म बदल लिया लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ये सब बातें इमोशनली और सोशली हमारी जिंदगी का हिस्सा हैं ही नहीं। ऐसी बातों को सीरियसली लेने से पहले हजार बार सोचना चाहिए। सिनेमा और सोसाइटी को करीना के योगदान पर गर्व होना चाहिए। आपको बता दें कि करीना कपूर खान और सैफ अली खान फिल्म टशन के सेट पर मिले थे। सैफ अली खान के दो बच्चे भी थे सारा अली खान और इब्राहिम। उनका अमृता सिंह से तलाक हो चुका था।

आज नजरें सूर्यकुमार यादव पर

भारतीय बल्लेबाजों को पार करनी होगी मिचेल की चुनौती

एजेंसी ■ चेन्नई

मिचेल स्टार्क की अगुवाई में आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों की चुनौती का सामना करने के लिए भारतीय बल्लेबाजों को बुधवार को तीसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा और नजरें सूर्यकुमार यादव पर लगी होंगी। स्टार्क यदि बल्लेबाजों के लिए सिरदर्द बना हुआ है तो मिशेल मार्श ने भारतीय गेंदबाजों की नींदें उड़ा रखी हैं। दो मैचों में वह करीब एक दर्जन छक्के लगा चुके हैं। भारतीय टीम का सबसे पहला एजेंडा मिचेल द्वय चुनौती से पार पाना होगा। श्रृंखला इस समय। .। से बराबर है। रोहित शर्मा, विराट कोहली, शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव की सितारा चौकड़ी को स्टार्क का सामना करने के लिए अपने पूरे अनुभव का उपयोग करना होगा। तकनीक में बदलाव के साथ मानसिक मजबूती के साथ भारतीय बल्लेबाजों को खेलना होगा। भारत में सीमित ओवरों का क्रिकेट सपाट पिचों पर खेला जाता है जिन पर बहुत अधिक फुटवर्क की जरूरत नहीं होती। फ्रंटफुट पर खेलकर बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। लेकिन स्टार्क ने सारे समीकरण बदल दिए। उनकी गेंद या तो मिडिल स्टम्प पर पड़ रही है या लेग मिडिल की तरफ। भारतीय बल्लेबाज पिछले दोनों मैचों में उसकी गेंदों की थाह पाने में नाकाम रहे। मुंबई में स्टार्क को पिच से मदद मिली तो विशाखापत्तनम समुद्र के किनारे होने से हवा में नमी थी। चेपॉक पर काफी समय बाद अंतरराष्ट्रीय मैच हो रहा है और नई पिच पर सभी का ध्यान है। आम तौर पर चेपॉक पर धीमे गेंदबाजों की मददगार पिच होती है और बीच के ओवरों में रन बनाना मुश्किल होता है। इस बार हालांकि चेन्नई सुपर किंग्स की ताकत को ध्यान में रखकर पिच बनाई गई है और शुरूआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिल सकती है। पिछले दोनों मैचों में सूर्यकुमार यादव खाता भी नहीं खोल सके जबकि टी20 क्रिकेट में वह जबर्दस्त फॉर्म में चल रहे थे।

टीम में श्रेयस अय्यर नहीं है और सूर्य के पास वनडे विश्व कप के लिए टीम में जगह पक्की करने का यह सुनहरा मौका है लेकिन वह इसके साथ न्याय नहीं कर पा रहे हैं। कप्तान रोहित ने पिछले मैच के बाद कहा था , हमने देखा है कि वह वनडे में भी अच्छा खेल सकता है। उसे भी यह पता है। मेरा मानना है कि क्षमतावान खिलाड़ियों को कभी यह नहीं लगना चाहिए कि उन्हें पर्याप्त मौके नहीं मिले। उन्होंने कहा , सूर्य पिछले दोनों मैचों में नहीं चल सका लेकिन उसे लगातार मौके देने की जरूरत है ताकि वह सहज महसूस कर सके।

टीमें :

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, लोकेश राहुल(विकेटकीपर), ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमरान मलिक, शाद्दुल ठाकुर , अक्षर पटेल, जयदेव उनादकट।

ऑस्ट्रेलियाः स्टीव स्मिथ (कप्तान), डेविड वार्नर, ट्रेविस हेड, मार्नुस लाबुशेन, मिशेल मार्श, मार्कस स्टोइनिस, एलेक्स कैरी, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरून ग्रीन, जोश इंग्लिस, सीन एबॉट, एश्टन एगर, मिशेल स्टार्क, नाथन एलिस, एडम जम्पा।

मैच दोपहर एक बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा।

म्यामां के खिलाफ भारत के मुकाबले से मणिपुर में होगा अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल का आगाज

एजेंसी ■ इम्फाल

भारतीय फुटबॉल को कई बेहतरीन खिलाड़ी देने वाला मणिपुर बुधवार से यहां शुरू होने वाले तीन देशों के टूर्नामेंट के जरिए पहली बार अंतरराष्ट्रीय मुकाबले की मेजबानी करेगा। यहां के खुमान लैंपक स्टेडियम में भारत और म्यामां के बीच बुधवार को पहला मुकाबला खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में तीसरी टीम किर्गिस्तान की है। इंडियन सुपर लीग के फाइनल में बेंगलुरू एफसी को पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाले करिश्माई खिलाड़ी सुनील छेत्री पिछले 11 मैचों में से नौ में हार का सामना करने वाली टीम के खिलाफ भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। एशियाई कप 2023 को ध्यान में रखते हुए, भारत के मुख्य कोच इगोर स्टिमक नहीं चाहेंगे कि उनकी टीम किसी भी चीज को हल्के में ले। म्यामां के बाद घरेलू टीम 28 मार्च को इसी मैदान पर किर्गिस्तान से भिड़ेगी। भारतीय टीम के कई खिलाड़ी मणिपुर से है पर अंतरराष्ट्रीय मैच की मेजबानी से राज्य में फुटबॉल का जूनून चरम पर है। भारतीय खिलाड़ी चिंगलेसना कोनशाम ने कहा, मेरे घर में स्वागत है। रक्षापंक्ति के इस खिलाड़ी ने कहा, जब से यह घोषणा की गई कि इम्फाल तीन देशों की टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा, तब से मुझे राज्य के लोगों से बहुत सारे कॉल और संदेश मिल रहे हैं। मिडफील्डर सुरेश वांगजम ने कहा, यह सिर्फ फुटबॉल के बारे में नहीं है। मणिपुर के लोग मुक्केबाजी, बैडमिंटन, हॉकी, भारोत्तोलन और कई अन्य तरह के खेल खेलना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, हम इस मैदान में खेलते हुए बड़े हुए है। यहां लोग आई-लीग के मैचों में हमें खेलते हुए देखने आते रहे है। यह उनके लिए बहुत बड़ा अवसर है।

एक नजर

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप : नीतू, मनीषा क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजों ने महिला विश्व चैम्पियनशिप में मंगलवार को पहले सत्र में शानदार प्रदर्शन किया जिनमें से नीतू गंघास (48 किलो) और मनीषा मौन (57 किलो) ने आरएससी (रैफरी के द्वारा मुकाबला रोके जाने) पर जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। राष्ट्रमंडल खेलों की चैम्पियन नीतू ने ताजिकिस्तान की सुमैया कोसिमोवा को पहले दौर में हराया जबकि पिछले साल की कांस्य पदक विजेता मनीषा ने तुर्की की नूर एलिफ तुरहान को मात दी। शशि चोपड़ा (63 किलो) हालांकि जापान की मेइ कितो से 0 . 4 से हारकर बाहर हो गई। नीतू का यह दूसरा मुकाबला था जिसका फैसला आरएससी पर आया।

सीनियर राष्ट्रीय तलवारबाजी चैंपियनशिप 25 मार्च से पुणे में

पुणे। ओलंपियन सीए भवानी देवी यहां 25 से 28 मार्च तक चलने वाली 33 वीं सीनियर राष्ट्रीय तलवारबाजी चैम्पियनशिप में भाग लेने वाले देश भर के 700 से अधिक खिलाड़ियों में मुख्य आकर्षण होगी। इस स्पर्धा का आयोजन भारतीय तलवारबाजी संघ कर रहा है। इसमें महाराष्ट्र तलवारबाजी संघ और डीवाई पाटिल अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय में सहयोग कर रहे है। चैंपियनशिप का आयोजन महालुंगे-बालेवाड़ी में श्री शिव छत्रपति खेल परिसर में किया जाएगा। चैंपियनशिप का आयोजन तीन श्रेणियों फॉइल, एपी और साबरे में होगा जिसमें व्यक्तिगत और टीम मुकाबले खेले जाएंगे। भवानी देवी महिला व्यक्तिगत साबरे स्पर्धा में भाग लेंगी। एफएआई के अध्यक्ष सतेज पाटिल ने कहा, हम तलवारबाज़ों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। टूर्नामेंट के दौरान आहार विशेषज्ञों की सलाह के मुताबिक खिलाड़ियों को पौष्टिक भोजन मुहैया कराया जाएगा।

होंडा ने 2023 अंतरराष्ट्रीय रेसिंग चैंपियनशिप के लिए टीम का ऐलान किया

गुरूग्राम। युवा कविन समर किंटल और मोहसिन परामबन एशिया रोड रेसिंग चैम्पियनशिप के एपी 250 वर्ग में भाग लेंगे जिन्हें होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने 2023 सत्र के लिए अंतरराष्ट्रीय रेसिंग टीम में शामिल किया है। भारत के चार नए राइडर एशिया के सर्वश्रेष्ठ राइडरों का सामना एआरसीसी और थाईलैंड टैलेंट कप में करेंगे।

टीम ने यहां जारी विज्ञप्ति में बताया कि समर और मोहसिन के अलावा रहीश खत्री और श्याम सुंदर भी भारतीय टीम में हैं जो थाईलैंड टैलेंट कप खेलेंगे।

शॉर्ट न्यूज

स्टार्क के साथ गेंदबाजी करने में मजा आ रहा है : एलिस

चेन्नई। आस्ट्रेलिया के युवा क्रिकेटर नाथन एलिस को इस दौरे पर मिचेल स्टार्क के साथ गेंदबाजी करने और उनसे सीखने में बहुत मजा आ रहा है और उनका कहना है कि उन पर स्टार्क का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। एलिस ने भारत के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले पत्रकारों से कहा , स्टार्सी (स्टार्क) का मुझ पर काफी प्रभाव है। मैं हमेशा से उनसे प्रेरणा लेता आया हूं। उन्होंने मुझे आस्ट्रेलिया की कैप भी दी थी। वह आस्ट्रेलियाई टीम के साथ मेरे सफर का बड़ा हिस्सा रहे हैं। मैने उनसे मैच से पहले और मैच के बाद भी बात की। उन्होंने कहा , उसके पास अपार अनुभव है। उसने उतार चढाव सभी देखे हैं। उसके साथ गेंदबाजी करने और उनके अनुभव से सीखने में मजा आ रहा है। एलिस ने कहा कि वह पिच के अनुसार रणनीति बनाने में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा , मैं उछाल में ही विश्वास नहीं करता। मैं विकेट के अनुसार अपनी रणनीति बनाता हूं। कल भी मैं पहले से कुछ सोचकर नहीं जाऊंगा। यहां गेंद स्पिन लेगी और धीमी गेंद अधिक उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि विश्व कप के मेजबान भारत के खिलाफ वनडे श्रृंखला खेलने का मौका बेहतरीन है। उन्होंने कहा , यह अच्छा मौका है। भारत में ही विश्व कप होना है और यहीं पर वनडे श्रृंखला खेलना अच्छा अनुभव रहा। मैं मूल टीम का हिस्सा नहीं था लेकिन बाद में जुड़ा। हम सभी इसे विश्व कप के ड्रेस रिहर्सल की तरह देख रहे हैं।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय ब्रिज टीम की घोषणा

नई दिल्ली। भारतीय ब्रिज महासंघ (बीएफआई) ने चीन के हांगझोऊ में होने वाले आगामी एशियाई खेलों के लिए मंगलवार को राष्ट्रीय टीमों की घोषणा की। एशियाई खेलों का आयोजन 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक होगा। ग्रेटर नोएडा के शिव नादर इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस में दो से 18 मार्च तक आयोजित वार्षिक कोचिंग शिविर और चयन ट्रायल के बाद टीम का चयन किया गया।

यह ट्रायल भारतीय खेल प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित किए गए थे, और टीम का चयन चार श्रेणियों (एशियाई खेलों के लिए तीन श्रेणी) में किया गया। उम्मीद है कि इस साल अगस्त में मोरक्को में होने वाली विश्व टीम चैंपियनशिप में भी यही टीम भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।

कॉन्ट्रैक्ट ब्रिज दुनिया के सबसे लोकप्रिय दिमागी खेलों में से एक है और युवा मामलों एवं खेल मंत्रालय के तहत एक प्राथमिकता वाला खेल है। जकार्ता एशियाई खेलों में इसे पहली बार शामिल किया गया था, जहां भारत ने एक स्वर्ण और दो कांस्य पदक जीते थे। आगामी एशियाई खेलों में इसकी स्पर्धाओं की संख्या छह से घटाकर तीन कर दी गई है।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम:

ओपन टीम: जग्गी शिवदासानी, संदीप ठकराल, राजेश्वर तिवारी, सुमित मुखर्जी, राजू तोलानी और अजय खरे

रिजर्व एक: कौस्तभ बेंद्रे और सायंतन कुशारी

कोच: जॉयजीत सेनशर्मा

मिश्रित टीम: किरण नादर, बी सत्यनारायण, हिमानी खंडेलवाल, राजीव खंडेलवाल, मरिअने कर्मकार और संदीप कर्माकर

रिजर्व एक: हेमा देवड़ा और राणा रॉय

कोच: विनय देसाई

महिला टीम: आशा शर्मा, पूजा बत्रा, अलका क्षीरसागर, भारती डे, कल्पना गुर्जर और विद्या पटेल

टॉप्स ने बजरंग और विनेश को किर्गीस्तान और पोलैंड में अभ्यास की मंजूरी दी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) ने स्टार पहलवान बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट को क्रमशः किर्गीस्तान और पोलैंड में अभ्यास के लिए वित्तीय सहायता को मंजूरी दे दी है। बजरंग ने किर्गीस्तान में 16 दिन अभ्यास की अनुमति मांगी थी जबकि विनेश पोलैंड में 11 दिन अभ्यास करना चाहती है। यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार वित्तीय सहायता में खिलाड़ियों का हवाई टिकट, शिविर का खर्च, अभ्यास, रहने और खाने का खर्च, बीमा और यात्रा का खर्च शामिल है। टॉप्स विनेश के अभ्यास जोड़ीदार संगीता फोगाट और फिजियो अश्विनी जीवन पाटिल और बजरंग के कोच सुजीत मान, फिजियो आनंद कुमार , अनुकूलन विशेषज्ञ काजी किरण मुस्तफा हसन का भी खर्च उठाएगा। इस बीच कुश्ती की निगरानी समिति द्वारा कराए गए चयन ट्रायल के बाद आगामी सीनियर एशियाई चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम का कोचिंग शिविर भी आयोजित किया जाएगा। इसके लिए 108 पहलवानों (36 महिला, 33 ग्रीको रोमन और 39 फ्रीस्टाइल) का चयन किया गया है।

लक्ष्य सेन बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में 25वें स्थान पर खिसके

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन मंगलवार को जारी बीडब्ल्यूएफ की नवीनतम पुरुष एकल रैंकिंग में दुनिया के शीर्ष 20 खिलाड़ियों की सूची से बाहर हो गए। ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप से दूसरे दौर में बाहर होने के बाद सेन 25वें स्थान पर खिसक गए। इस 21 साल के खिलाड़ी ने पिछले साल नवंबर में छठे स्थान के साथ अपनी शीर्ष रैंकिंग हासिल की थी। मौजूदा सत्र में वह अपनी लय बरकरार नहीं रख सके और मलेशिया ओपन, इंडिया ओपन तथा जर्मन ओपन से जल्दी बाहर हो गए। रैंकिंग में एच एस प्रणय नौवें स्थान के साथ शीर्ष भारतीय बने हुए है जबकि किदांबी श्रीकांत ने दो स्थान के सुधार के साथ शीर्ष 20 में पहुंचने में सफल रहे। महिला एकल में पीवी सिंधू नौवें स्थान पर बनी हुई हैं, जबकि ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप से नाम वापस लेने वाली साइना नेहवाल पांच पायदान नीचे 32वें स्थान पर खिसक गई। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी छठे स्थान पर बनी हुई है, जबकि महिलाओं में त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी पिछले हफ्ते ऑल इंग्लैंड में सेमीफाइनल में पहुंचने के बावजूद एक स्थान नीचे 18वें पायदान पर पहुंच गई।

विभिन्न संयोजनों को आजमाना चाहता हूं ताकि विश्व कप में परेशानी ना हो: द्रविड़

एजेंसी ■ चेन्नई

भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के निर्णायक एकदिवसीय मुकाबले की पूर्व संध्या पर कहा कि वह इस साल भारतीय टीम द्वारा खेले गए घरेलू एकदिवसीय मैचों से तैयार हुई टीम की रूपरेखा से काफी खुश हैं और उन्होंने विश्व कप के टीम के लिए 17-18 खिलाड़ियों की पहचान कर ली है। भारत श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन-तीन मैच पहले ही चुका है। इस श्रृंखला के दो मैच हो गए है और तीसरा बुधवार को यहां खेला जाएगा। द्रविड़ से जब पूछा गया कि क्या उन्होंने विश्व कप को ध्यान में रखते हुए नौ घरेलू एकदिवसीय मैचों में वह हासिल किया जो उन्होंने निर्धारित किया था? तो उन्होंने कहा, हां काफी हद तक है। कल के मैच का परिणाम चाहे जो भी हो, हमें इन नौ मैचों से काफी स्पष्टता मिली है। हमें इस स्पष्टता को जारी रखने की जरूरत है। भारतीय कोच ने कहा, हमारे लिए यह अब अलग-अलग एकादश के संयोजन के बारे में है। हम यह सुनिश्चित करना है कि विश्व कप के दौरान जरूरत पड़ने पर हम संयोजन में बदलाव कर सकें। हम यह तय करना चाहते है कि विश्व कप के दौरान आश्चर्यचकित ना हो। मुख्य कोच ने चोटिल श्रेयस अय्यर की अनुपस्थिति पर खेद व्यक्त किया। द्रविड़ ने हालांकि उनकी जगह टीम में शामिल सूर्यकुमार यादव के खराब प्रदर्शन के बावजूद सहानुभूति दिखाई। राहुल ने कहा, जाहिर है। श्रेयस का चोटिल होना दुर्भाग्यपूर्ण है। वह शायद उन लोगों में से एक है जो नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हैं। उनकी जगह टीम में शामिल सूर्या के प्रदर्शन को लेकर मैं चिंतित नहीं हूं। वह दो बहुत अच्छी गेंद पर आउट हुए।

अच्छे खिलाड़ियों को खोने से टीम संयोजन बिगड़ा : मिताली राज

एजेंसी ■ मुंबई

गुजरात जाइंट्स की मेंटोर मिताली राज और मुख्य कोच रशेल हैंस ने टीम क महिला प्रीमियर लीग से बाहर होने के बाद कहा कि टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही प्रमुख खिलाड़ियों को खोने से टीम संयोजन बिगड़ा। कप्तान और आस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी पहले ही दिन चोटिल हो गई और बाकी मैच नहीं खेल सकी। मिताली ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा , हमारी टीम अच्छी थी लेकिन नतीजे हमारे पक्ष में नहीं रहे। हमने प्रमुख खिलाड़ियों को शुरू में गंवा दिया जिससे टीम संयोजन बिगड़ गया। इसके बावजूद टीम ने जीत की ललक दिखाई। अपने आखिरी मैच में यूपी वारियर्स से हारकर गुजरात जाइंट्स बाहर हो गई। वहीं हैंस ने कहा , इतनी शानदार टीम के मुख्य कोच के रूप में मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा। हमने कठिन पल देखे लेकिन टीम ने जुझारू प्रदर्शन किया।

मनु आईएसएसएफ विश्व कप में भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगी

भोपाल। स्टार महिला निशानेबाज मनु भाकर बुधवार से यहां शुरू हो रहे अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफलापिस्टल में भारत की मजबूत टीम का अगुवाई करेंगी। यह नई दिल्ली के बाहर भारत में आयोजित होने वाला पहला निशानेबाजी विश्व कप चरण है और पुरुषों और महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों का फैसला पहले दिन ही हो जाएगा। दोनों स्पर्धाओं में तीन-तीन भारतीय पदक की दौड़ में होंगे। पुरुषों में जहां सरबजोत सिंह, वरूण तोमर और सुमित रमन खुद को साबित करने की कोशिश करेंगे, वहीं महिलाओं में रिदम सांगवान, दिव्या टीएस और मनु चुनौती पेश करेंगी।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यहां कुशाभाऊठाकरे अंतरराष्ट्रीय सभागार केन्द्र में एक भव्य उद्घाटन समारोह में इस कार्यक्रम का आधिकारिक उद्घाटन किया।

डब्ल्यूपीएल मुंबई इंडियंस ने आरसीबी को नौ विकेट पर 125 रन पर रोकने के बाद 16.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

अमेलिया केर के हरफनमौला खेल से मुंबई ने आरसीबी को हराया

एजेंसी ■ नवी मुंबई

अमेलिया केर के हरफनमौला खेल से मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के अपने आखिरी लीग मैच में मंगलवार को यहां के मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को चार विकेट से मात दी। मुंबई इंडियंस ने आरसीबी को नौ विकेट पर 125 रन पर रोकने के बाद 16.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। आसीबी की यह आठ मैचों में छठी हार थी। केर ने चार ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट लेने के बाद बल्ले से 27 गेंद में 31 रन की नाबाद पारी में चार चौके जड़े। उन्होंने पांचवें विकेट के लिए पूजा वस्त्राकर (19) के साथ 47 रन की साझेदारी कर मुंबई को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकाला। लक्ष्य का पीछा करते हुए हीली मैथ्यूज (17 गेंद में 24 रन) और यास्तिका भाटिया (26 गेंद में 30 रन) ने 53 रन की साझेदारी कर मुंबई को शानदार शुरुआत दिलाई। लेकिन आठ गेंद के अंदर दोनों के पवेलियन लौटने के बाद हरमनप्रीत कौर और नेट स्किवर ब्रंट ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक सके। इसके बाद पूजा और केर ने संभल कर बल्लेबाजी करते हुए टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। कणिका आहूजा ने हालांकि 16वें ओवर में पूजा और इसाबेल वोंग (शून्य) को लगातार गेंदों पर चलता किया। इससे पहले मुंबई के गेंदबाजों ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का कप्तान हरमनप्रीत कौर का फैसला सही साबित कर दिखाया। मैथ्यूज और सैका इशाक ने भी किफायती गेंदबाजी की। केर और इशाक के 13 विकेट हो गए हैं और लीग में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में वे सोफी एक्सेलेटन के साथ शीर्ष पर पहुंच गए। लगातार पांच मैच हारकर आरसीबी शीर्ष तीन टीमों की दौड़ में पीछे रह गई जो दो मैचों का नॉकआउट दौर खेलेंगी। दूसरी ओर मुंबई इंडियंस लगातार दो मैच हार चुकी है और उसे तालिका में शीर्ष पर रहने के लिए इस मैच में धमाकेदार जीत दर्ज करनी होगी। मुंबई ने चौथी गेंद पर ही कामयाबी हासिल की जब सोफी डेवाइन (0) और स्मृति मंधाना आपसी गलतफहमी का शिकार हो गई जिससे डेवाइन रन आउट हो गई। मंधाना ने 25 गेंद में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 24 रन बनाए। वह केर की गेंद पर खराब शॉट खेलकर आउट हुई। एलिसे पेरी (28 गेंद में 29 रन) ने जमने में समय लिया और दसवें ओवर में इशाक को लगातार दो चौके जड़कर हाथ खोले। आरसीबी का स्कोर दस ओवर क बाद दो विकेट पर 56 रन था। हीथर नाइट ने 11वें ओवर में 12 रन बनाए। केर ने उन्हें लांग आउट पर लपकवाया। नाइट ने पेरी के साथ 26 रन की साझेदारी की। केर ने कनिका आहूजा (12) को पवेलियन भेजा जिनकी स्टम्पिंग यस्तिका भाटिया ने की। नेट स्किवेर ब्रंट ने पेरी और श्रेयांका पाटिल (चार) को आउट किया। रिचा घोष ने 13 गेंद में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 29 रन बनाए। आखिरी दो विकेट वोंग ने लिए।

जॉब

केआईआईटी में कैंपस प्लेसमेंट
छात्रों को मिला 62 लाख रुपए तक का जॉब ऑफर

केआईआईटी डीम्ड यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर ने स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी के 2023 के स्नातक बैच के लिए चल रहे कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में औसत वेतन पैकेज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस साल औसत सीटीसी 8.5 लाख रुपये को पार कर गया है, जबकि कैंपस प्लेसमेंट में छात्रों को दिए जाने वाले वेतन के मामले में केआईआईटी को शीर्ष राष्ट्रीय संस्थानों की लीग में नाम दर्ज कराते हुआ अधिकतम 62 लाख रुपए तक पहुंच गया है।

2800 योग्य बीटेक छात्रों के बैच के लिए 280 कंपनियों द्वारा पहले से ही 3600 नौकरी की पेशकश के साथ केआईआईटी एक बार फिर शत-प्रतिशत प्लेसमेंट हासिल करने के लिए तैयार है। पूर्ण रूप से, 92 प्रतिशत से अधिक बैच के 2600 छात्रों को पहले ही प्लेसमेंट ड्राइव में नौकरी की पेशकश मिल चुकी है जो पिछले साल मई में शुरू हुई थी। 1100 से अधिक छात्रों को कई नौकरी के प्रस्ताव मिले हैं।

इस वर्ष अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट प्रदर्शन ने संस्थान के अभिभावकों और छात्रों के बीच खुशी बढ़ा दी है, जो अपना रजत जयंती वर्ष मना रहा है। प्रख्यात शिक्षाविद् और सामाजिक कार्यकर्ता प्रोफेसर अच्युत सामंत द्वारा स्थापित, केआईआईटी शैक्षणिक समुदाय में सबसे अधिक छात्र-हितैषी, उनके अभिवावक और कर्मचारियों के अनुकूल परिसर के रूप में यह जाना जाता है। यह भारत के लगभग सभी राज्यों के अलावा 65 से अधिक देशों के विदेशी छात्रों को आकर्षित कर रहा है।

केआईआईटी ने 1997 में उच्च शिक्षा के एक संस्थान के रूप में आकार लिया और तब से, मैक्रोइकॉनॉमिक और जॉब मार्केट परिदृश्यों के बावजूद, यह सभी शैक्षणिक कार्यक्रमों में सातप्रतिसत प्लेसमेंट दर्ज कर रहा है। त्रुटिहीन अकैडमिक वंशावली और नियमित रूप से अद्यतन पाठ्यक्रम के साथ एक उच्च गुणवत्ता वाली फैकल्टी टीम यह सुनिश्चित करती है की छात्रों के पास सबसे प्रासंगिक व्यवहार ज्ञान हो। एक अविनव शिक्षण सीखने के लिए प्रक्रिया और वेसिक प्रदर्शन उन्हें आज के तेजी से बदलते तकनीकी-व्यावसायिक वातावरण में उद्योग के लिए तैयार और उच्च प्रदर्शन करने वाला बनाते हैं।

2004 में भारत सरकार द्वारा केआईआईटी को डीम्ड विश्वविद्यालय घोषित किए जाने के बाद केआईआईटी ने देश में व्यावसायिक शिक्षा को फिर से परिभाषित किया है और शिक्षाशास्त्र और अनुसंधान के क्षेत्र में पढ़ाइ को लेकर एक बेंचमार्क तैयार किया है। शिक्षा मंत्रालय की एनआरएफ इंडिया रैंकिंग 2022 ने इसे देश के 20वें - सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में रखा है। यह प्रतिष्ठित टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2023 में विश्व स्तर पर 601-800 के समूह में अपना स्थान बरकरार रखा है। विश्वविद्यालय को एनएएसी द्वारा उच्चतम ए++ ग्रेड से भी मान्यता प्राप्त है।

केआईआईटी एक बहु-विषयक अध्ययन विश्वविद्यालय है जिसमें 23 स्कूलों से 400+ से अधिक शैक्षणिक कार्यक्रम पेश किए जाते हैं। सिविल, कंप्यूटर, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रोनिक्स और मैकेनिकल स्ट्रीम में बीटेक और एमटेक पाठ्यक्रम प्रदान करने वाले पांच स्कूल केआईआईटी डीम्ड यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी का गठन करते हैं। उनके शैक्षणिक कार्यक्रम वैश्विक मानकों से मेल खाते हैं और आईआईटी, यूके और एबीईटी, यूएसए द्वारा मान्यता प्राप्त हैं।

इस साल छात्रों ने उच्च सीटीसी कंपनियों के साथ अपने सपनों को पूरा किया। 82 कंपनियों ने 10 लाख रुपये से अधिक के वार्षिक वेतन पैकेज की पेशकश करते हुए परिसर का दौरा किया। लगभग 1500 छात्रों को 15 लाख रुपये या उससे अधिक के सीटीसी के साथ ड्रीम कंपनियों में रखा गया। अन्य 1000 छात्रों को 10-15 लाख रुपये के वेतन पैकेज के साथ रखा गया।

अकेले डे जीरो ड्रीम कैंपस ड्राइव के परिणामस्वरूप शीर्ष पायदान बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा 1700 से अधिक छात्रों का प्लेसमेंट हुआ। डे-वन कैंपस रिक्रूटमेंट ड्राइव के इस सीजन में चार कंपनियों से लगभग 700 जॉब ऑफर मिले। उद्योग के विशेषज्ञों ने कहा कि मौजूदा जॉब मार्केट परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए यह एक बेहतरीन डे वन और डे जीरो कन्वर्जन है।

केआईआईटी डीम्ड विश्वविद्यालय भारत में एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जो उद्योग में अग्रणी नामों के साथ सक्रिय रूप से एक अंतराप्रस्ट बनाता है। इससे केआईआईटी के छात्रों को विभिन्न राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में प्लेसमेंट की सुविधा मिल रही है। उदाहरण के लिए, एक फिनटेक कंपनी हाईरेडियस ने केआईआईटी के सहयोग से केआईआईटी कैंपस में एक फिनटेक लैब की स्थापना की है, जिसमें 2000 से अधिक छात्रों को समर इंटर्नशिप की पेशकश की गई थी।

इसके बाद 15,000 रुपये प्रति माह के वजीफे के साथ एक साल की अनुभवात्मक शिक्षण इंटर्नशिप दी गई। इनमें से पचास फीसदी छात्रों को पूर्ण रूप से नियुक्त किया गया।

केआईआईटी डीम्ड यूनिवर्सिटी के अन्य स्कूलों का प्लेसमेंट प्रदर्शन समान रूप से उज्ज्वल है। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में, जो प्रमुख एमबीए प्रोग्राम प्रदान करता है, कुल 300 छात्रों में से 230 छात्रों को पहले ही 50 कंपनियों से नौकरी की पेशकश मिल चुकी है। हर साल की तरह इस साल भी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट ने शत-प्रतिशत प्लेसमेंट हासिल किया है। कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव हाल ही में स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी और स्कूल ऑफ लॉ में शुरू हुई है और शुरुआती रुझान बहुत उत्साहजनक हैं।

कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव जोरों पर है और कई कंपनियों ने आने वाले महीनों में 2023 कैंपस रिक्रूटमेंट प्रोग्राम में भागीदारी की पुष्टि की है। उत्कृष्ट प्लेसमेंट प्रदर्शन के लिए भाग लेने वाली कंपनियों और टीम प्रशिक्षण और प्लेसमेंट को धन्यवाद देते हुए प्रोफेसर सरनजीत सिंह, प्रो-वाइस चांसलर, केआईआईटी ने कहा है कि, हम पूरी तरह से आश्वस्त हैं कि हम सभी योग्य छात्रों को करियर प्रदान करने में सक्षम होंगे और पिछले सभी वर्षों की तरह शत-प्रतिशत प्लेसमेंट हासिल करेंगे।

रिजल्ट

बिहार बोर्ड 12वीं के रिजल्ट में लड़कियों का दबदबा

बिहार बोर्ड 12वीं कक्षा का रिजल्ट जारी हो चुका है। बिहार बोर्ड इंटर 2023 का कुल रिजल्ट 83.07 फीसदी रहा है। कला संकाय का रिजल्ट 82.74 फीसदी, वाणिज्य संकाय का परिणाम 93.85 फीसदी तथा विज्ञान संकाय का रिजल्ट 83.92 फीसदी रहा है। बिहार बोर्ड 12 वीं की परीक्षा के तीनों संकायों में लड़कियों ने ही बाजी मारी है। बिहार 12वीं बोर्ड परीक्षा में विज्ञान में आयुषी नंदन, कॉमर्स में सौम्या और कला संकाय में मोहद्देसा ने परीक्षा को टॉप किया है।

बिहार के खगड़िया जिले की रहने वाली आयुषी नंदन ने विज्ञान संकाय में कक्षा 12वीं की परीक्षा में पहला स्थान हासिल किया है। उन्होंने 500 अंकों की परीक्षा में 474 अंक हासिल कर कीर्तिमान रच दिया है। उनका पास प्रतिशत 94.8 प्रतिशत था।

बिहार के औरंगाबाद के रहने वाले रजनीश कुमार पाठक ने कॉमर्स कैटेगरी में 12 वीं की परीक्षा पास की है। वह संयुक्त रूप से पहले स्थान पर रहे। उन्होंने 500 अंकों की परीक्षा में 475 अंक हासिल किया। उनका पास प्रतिशत 95 था।

बिहार के औरंगाबाद के रहने वाली सौम्या शर्मा ने कॉमर्स कैटेगरी में 12वीं की परीक्षा पास की है। वह संयुक्त रूप से पहले स्थान पर रहीं। उन्होंने 500 अंकों की परीक्षा में 475 अंक हासिल किया। उनका पास प्रतिशत 95 था।

बिहार के पूर्णिया की रहने वाली मोहद्देशा ने कला संकाय में 12वीं की परीक्षा में टॉप किया है। उन्होंने 500 अंकों की परीक्षा में 475 अंक हासिल किया। उनका पास प्रतिशत 95 था।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति

छात्र किसी भी कॉलेज में जाकर लैब, पुस्तकालय का प्रयोग कर सकेंगे

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने विश्वविद्यालय और कॉलेजों को दूसरे कॉलेजों के साथ संसाधन साझा करने की योजना तैयार की है। स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी के छात्र इस योजना के तहत सुबह आठ बजे से शाम आठ बजे तक दूसरे कॉलेज की लाइब्रेरी में जाकर पढ़ाई, शोध से लेकर खेल सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे।

यूजीसी चेयरमैन प्रोफेसर एम जगदीश कुमार ने बताया कि एक शहर या कस्बे के विश्वविद्यालय और कॉलेज आपसी सहमति से अपने आसपास के कॉलेजों के छात्रों को विज्ञान व कंप्यूटर की प्रयोगशाला, स्टेडियम, शोध, पुस्तकालय, ई-पुस्तकालय, सेमिनार भवन, साहित्यिक चोरी (एंटी-प्लाजिरिज़्म सॉफ्टवेयर) जांचने का उपकरण, कक्षा भवन (क्लासरूम) समेत अन्य संसाधन का प्रयोग करने की अनुमति दे सकते हैं। इसके लिए यूजीसी ने राज्यों और विश्वविद्यालयों को केंद्रीय विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षण संस्थानों के संसाधनों का ज्यादा प्रयोग किए जाने को लेकर विशेष गाइडलाइन भी तैयार की है। इसके तहत विश्वविद्यालय या कॉलेज अन्य कॉलेजों के साथ समझौता करके एक-दूसरे के छात्रों को इन सुविधाओं का लाभ उठाने की अनमति दे सकते हैं।

शिक्षण संस्थान दूसरे संस्थान की कर सकता है मदद

एक शिक्षण संस्थान मेजबान (गेस्ट) बनकर दूसरे मेहमान (गेस्ट) संस्थान से अपने संसाधन साझा कर सकता है। इस तरह गेस्ट संस्थान के छात्रों को दूसरी यूनिवर्सिटी का पुस्तकालय में पढ़ने का मौका मिलेगा। शोध छात्र वहां की प्रयोगशालाओं में जाकर शोध कर सकेंगे। इसके अलावा ई-लर्निंग मटीरियल, कंप्यूटर प्रयोगशाला, उपकरण, का भी प्रयोग कर सकेंगे। हालांकि इस योजना में दोनों उच्च शिक्षण संस्थानों की सहमति होनी जरूरी है। दोनों संस्थानों की संयुक्त कमेटी बनेगी, जोकि नियम, संसाधन,समय, फीस आदि तय करेगी। इसके लिए लिखित समझौता भी होगा। इसमें तय होगा कि कितने छात्र, कितने समय पर कौन-कौन से संसाधनों का प्रयोग कर सकते हैं।

स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी छात्रों को लाभ

इस योजना का स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी तक के छात्रों को लाभ मिलेगा। प्रौद्योगिकी, कृषि, बायोसाइंस, साइंस, एप्लाइड साइंस, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में छात्रों को फायदा होगा। छोटे शहरों के बड़े विश्वविद्यालय या संस्थान छोटे कॉलेजों को आगे बढ़ने में मदद करेंगे। दो संस्थानों के छात्रों को शोध में दो वैज्ञानिकों का मार्गदर्शन मिलेगा। इससे शोध की गुणवत्ता में इजाफा होगा। अब एक ही विषय की बजाय अलग-अलग विषयों पर शोध होंगे, जिससे समाज और देश को फायदा तो पैसे की बर्बादी भी नहीं होगी।

संसाधन के साथ शिक्षक भी सेवाएं देंगे

संसाधनों के साथ-साथ शिक्षक भी अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में समझौते के तहत सेवाएं देंगे। इसमें एक संस्थान के शिक्षक ऑनलाइन, वीडियो, ई -लर्निंग या पढ़ाई के लिए सामग्री तैयार करके दे सकते हैं।

तकनीक का दखल

एआई का वर्ड, एक्सेल, जीमेल और बाकी जगह आना, कितना उपयोगी, कितना सुरक्षित

गूगल और माइक्रोसाफ्ट अगली पीढ़ी के एआई टूल को मौजूदा सेवाओं में ऐड-ऑन के रूप में लाकर, कंप्यूटिंग से कड़ी मेहनत को दूर करने के मिशन पर हैं। 16 मार्च को, माइक्रोसाफ्ट ने घोषणा की कि कोपीलॉट नामक एक एआई-संचालित सिस्टम जल्द ही वर्ड, एक्सेल, पॉवरप्वाइंट, आउटलुक और टीम्स सहित उसके 365 ऐप्स में पेश किया जाएगा। गूगल द्वारा अपने कार्यक्षेत्र ऐप्स जैसे डॉक्स, शीट्स, स्लाइड्स, मीट और चैट में एआई को एम्बेड करने की योजना के बारे में बताते हुए एक ब्लॉग पोस्ट करने के लगभग दो दिन बाद यह खबर आई। सामूहिक रूप से, प्रतिदिन लाखों लोग इन ऐप्स का उपयोग करते हैं। एआई के साथ उन्हें सशक्त बनाने से उत्पादकता को बढ़ावा मिल सकता है, बशर्ते इससे सुरक्षा पर आंच न आती हो।

जनरेटिव एआई का आगमन

अभी हाल तक एआई का उपयोग मुख्य रूप से वर्गीकरण और पहचान कार्यों के लिए किया जाता था, जैसे ट्रैफ़िक कैमरा का उपयोग करके नंबर प्लेट को पहचानना। जनरेटिव एआई उपयोगकर्ताओं को बड़े डेटा के लिए डीप-लर्निंग एल्गोरिदम लागू करके नई सामग्री बनाने में मदद करता है। अन्य के अलावा चैटजीपीटी और डल्ल-ई, पहले ही दुनिया में तूफ़ान ला चुके हैं। अब, माइक्रोसाफ्ट और गूगल ने जनरेटिव एआई को हमारे कार्यालयों और कक्षाओं में लाने का एक अधिक ठोस तरीका खोज लिया है। अन्य जनरेटिव एआई टूल्स की तरह, कोपिलॉट और वर्कस्पेस एआई बड़े पैमाने पर डेटा पर प्रशिक्षित बड़े भाषा मॉडल (एलएलएम) पर बनाए गए हैं। इस प्रशिक्षण के माध्यम से, सिस्टम ने कई नियम और पैटर्न सीखे हैं जिन्हें नई सामग्री और संदर्भों पर लागू किया जा सकता है। माइक्रोसॉफ्ट के सह-पायलट का सिर्फ 20 ग्राहकों के साथ परीक्षण किया जा रहा है, जिसमें उपलब्धता और मूल्य निर्धारण के बारे में विवरण आने वाले महीनों में जारी किया जाएगा।

थकाऊ या दोहराए जाने वाले कार्यों में तेजी लाने में मदद करने के लिए सह-पायलट को ऐप्स में एकीकृत किया जाएगा। उदाहरण के लिए, इसमें होगा:

1. वर्ड दस्तावेज़ों को लिखने, संपादित करने और सारांशित करने में उपयोगकर्ताओं की सहायता करना
2. विचारों या सारांशों को पूर्ण पॉवरप्वाइंट प्रस्तुतियों में बदलना
3. एक्सेल में डेटा ट्रेंड की पहचान करना और जल्दी से विजुअलाइज़ेशन बनाना
4. अपने आउटलुक इनबॉक्स को संश्लेषित और प्रबंधित करना
5. टीम मीटिंग का रीयल-टाइम सारांश प्रदान करना
6. दस्तावेजों, प्रस्तुतियों, ईमेल, कैलेंडर से डेटा को एक साथ लाना,
7. ईमेल लिखने और चैट को सारांशित करने में सहायता के लिए नोट्स और संपर्क।

यह मानते हुए कि यह इन कार्यों को प्रभावी ढंग से निष्पादित करता है, कोपिलॉट माइक्रोसॉफ्ट के मूल कार्यालय सहायक, क्लिप्पी से बड़े पैमाने पर अपग्रेड होगा। गूगल का वर्कस्पेस एआई भुगतान करने वाले ग्राहकों के लिए समान क्षमता प्रदान करेगा।

पर्दे के पीछे क्या है?

माइक्रोसाफ्ट ने कोपीलॉट को जीपीटी-4 सहित एलएलएम की शक्ति को संयोजित करने के लिए पर्दे के पीछे काम करने वाले एक परिष्कृत प्रसंस्करण और ऑर्केस्ट्रेशन इंजन के रूप में वर्णित किया। ओपनएआई के अनुसार, हम विशेष रूप से नहीं जानते हैं कि जीपीटी-4 को किस डेटा पर प्रशिक्षित किया गया था, बस यह इंटरनेट से लिया गया और लाइसेंस प्राप्त डेटा था। गूगल का वर्कस्पेस एआई पीएएलएम (पाथवेज लैंग्वेज मॉडल) पर बनाया गया है, जिसे पुस्तकों, विकिपीडिया लेखों, समाचार लेखों, स्रोत कोडों, फ़िल्टर किए गए वेबपृष्ठों और सोशल मीडिया वार्तालापों के संयोजन पर प्रशिक्षित किया गया था। दोनों सिस्टम मौजूदा क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर में एकीकृत हैं। इसका मतलब यह है कि उनके द्वारा लागू किया गया सभी डेटा पहले से ही ऑनलाइन होगा और कंपनी के सर्वर में संग्रहीत होगा।

प्रासंगिक प्रतिक्रियाएं प्रदान करने के लिए उपकरणों को प्रासंगिक सामग्री तक पूर्ण पहुंच की आवश्यकता होगी। उदाहरण के लिए, कोपीलॉट टेक्स्ट का विश्लेषण किए बिना 16-पेज के वर्ड डॉक्यूमेंट को बुलेट पॉइंट के एक पेज में डिस्टिल नहीं कर सकता है। इससे सवाल उठता है: क्या अंतर्निहित मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए उपयोगकर्ता की जानकारी का उपयोग किया जाएगा? इस बिंदु के संबंध में, माइक्रोसाफ्ट ने कहा है, कोपिलॉट के बड़े भाषा मॉडल ग्राहक सामग्री या व्यक्तिगत संकेतों पर प्रशिक्षित नहीं होते हैं।

गूगल क्या कहता है

निजी डेटा को निजी रखा जाता है, और व्यापक आधार मॉडल प्रशिक्षण कॉर्पस में इसका उपयोग नहीं किया जाता है। इन कथनों से पता चलता है कि 16-पृष्ठ के दस्तावेज़ का उपयोग एल्गोरिदम को प्रशिक्षित करने के लिए नहीं किया जाएगा। बल्कि, कोपीलॉट और वर्कस्पेस एआई डेटा को रीयल-टाइम में प्रोसेस करेंगे। ऐसे एआई उपकरणों को विकसित करने की हड़बड़ी को देखते हुए, भविष्य में ऐसे उपकरणों को वास्तविक ग्राहक-विशिष्ट डेटा पर प्रशिक्षित करने का प्रलोभन हो सकता है। हालाँकि, अभी के लिए, ऐसा लगता है कि इसे स्पष्ट रूप से बाहर रखा जा रहा है।

उपयोग संबंधी चिंताएं

जैसा कि कई लोगों ने चैटजीपीटी की रिलीज के बाद नोट किया, पाठ-आधारित जनरेटिव एआई उपकरण एल्गोरिथम पूर्वाग्रह से ग्रस्त हैं। ये चिंताएं गूगल और माइक्रोसाफ्ट के नए टूल तक विस्तारित होंगी। जनरेटिव एआई टूल्स के आउटपुट को अशुद्धियों और पूर्वाग्रहों से भरा जा सकता है। माइक्रोसाफ्ट का अपना बिंग चैटबॉट, जो जीपीटी-4 पर भी चलता है, इस साल की शुरुआत में अपमानजनक दावे करने के कारण आलोचना का शिकार हो चुका है। पूर्वाग्रह तब होता है जब प्रशिक्षण डेटा के उचित चयन या समझ के बिना और प्रशिक्षण प्रक्रियाओं के उचित निरीक्षण के बिना बड़ी मात्रा में डेटा संसाधित किया जाता है। उदाहरण के लिए, ऑनलाइन बहुत सारी सामग्री अंग्रेजी में लिखी गई है - जो संभवतः एआई उपकरण विकसित करने वाले (ज्यादातर गोरे और पुरुष) लोगों द्वारा बोली जाने वाली मुख्य भाषा है। यह अंतर्निहित पूर्वाग्रह लेखन शैली और भाषा निर्माण को प्रभावित कर सकता है जिसे एआई-संचालित सिस्टम द्वारा समझा जाता है और बाद में दोहराया जाता है। अभी के लिए, यह कहना मुश्किल है कि कोपिलॉट या वर्कस्पेस एआई में पूर्वाग्रह के मुद्दे कैसे उपस्थित हो सकते हैं। एक उदाहरण के रूप में, सिस्टम गैर-अंग्रेज़ी-भाषी देशों में, या अंग्रेज़ी की विविध शैलियों के साथ लोगों के लिए प्रभावी ढंग से काम नहीं कर सकता है।

सुरक्षा चिंताएं

माइक्रोसाफ्ट और गूगल के एआई उपकरणों में एक बड़ी भेद्यता यह है कि वे साइबर अपराधियों के लिए पीड़ितों को नुकसान पहुंचाना आसान बना सकते हैं। जबकि पहले एक अपराधी को विशिष्ट डेटा खोजने के लिए सैकड़ों फाइलों या ईमेल को खंगालने की आवश्यकता हो सकती थी, अब वे एआई-सहायता वाली सुविधाओं का उपयोग करके जल्दी से मिलान करने और उन्हें निकालने में सक्षम हो सकते हैं। साथ ही, चूँकि अभी तक ऑफ़लाइन संस्करण उपलब्ध कराने का कोई संकेत नहीं है, कोई भी व्यक्ति जो इन प्रणालियों का उपयोग करना चाहता है, उसे संबंधित सामग्री को ऑनलाइन अपलोड करना होगा। केवल आपके कंप्यूटर या फ़ोन पर संग्रहीत डेटा की तुलना में ऑनलाइन अपलोड किए गए डेटा के गलत इस्तेमाल होने का अधिक जोखिम होता है। अंत में, गोपनीयता के दृष्टिकोण से, यह विशेष रूप से अभी और अधिक रास्ते देखने के लिए प्रेरक नहीं है, जिसके माध्यम से दुनिया के सबसे बड़े निगम हमारे डेटा को एकत्र और संश्लेषित कर सकते हैं।

द कन्वरसेशन

प्रतियोगिता

कानून के विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय मूट-कोर्ट प्रतियोगिता आयोजित

आईआईएलएम ने दूसरी राष्ट्रीय मूट-कोर्ट प्रतियोगिता आयोजित कर कानून की शिक्षा का नया उच्च मानक स्थापित किया है। यह प्रतियोगिता लोगों की उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करने और साथ ही, भारत में कानून की प्रतिभाओं का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रही है। यह प्रतियोगिता कानून के छात्रों के लिए उनकी प्रतिभा दिखाने का बेजोड़ अवसर था। यह प्रत्यर्पण कानून, संवैधानिक कानून और आपराधिक कानून जैसे रणनीतिक महत्व के कई अहम कानूनों पर केंद्रित था। न्यायमूर्ति राजेंद्र मेनन-अध्यक्ष, सशस्त्र बल न्यायाधिकरण और पूर्व मुख्य न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय और पूर्व मुख्य न्यायाधीश, पटना उच्च न्यायालय और न्यायमूर्ति अंजना मिश्रा - सदस्य, सशस्त्र बल न्यायाधिकरण और पूर्व न्यायाधीश पटना उच्च न्यायालय ने अपनी उपस्थिति से आयोजन की गरिमा बढ़ाई। प्रतिभागियों का मूल्यांकन माननीय न्यायाधीशों ने कई मानकों पर किया जैसे कानूनी तर्क, अधिवक्ता कौशल और पारदर्शी, विस्तृत और मानने योग्य कानूनी तर्क देने की क्षमता आदि। प्रतियोगिता के विजेताओं को 60,000 रुपयों का शानदार नकद पुरस्कार भी दिया गया।

प्रोफेसर (डॉ.) आशा वर्मा, डीन, आईआईएलएम लॉ स्कूल, आईआईएलएम यूनिवर्सिटी गुरुग्राम ने कहा, 'आईआईएलएम द्वारा आयोजित दूसरी राष्ट्रीय मूट-कोर्ट प्रतियोगिता बहुत सफल रही। कानून के छात्रों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया और देश के अनुभवी कानूनी विशेषज्ञों से व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। इस तरह की प्रतियोगिताएं भारत में कानून की शिक्षा का बेहतर भविष्य तैयार करने में सहायक होंगी और इससे कानून के क्षेत्र में भावी लीडर तैयार करने में भी मदद मिलेगी।'

यह प्रतियोगिता कानून की पढ़ाई के लिए पांच साल के इंटीग्रेटेड अंडरग्रैजुएट या तीन साल के ग्रैजुएट प्रोग्राम में नामांकित छात्रों के लिए थी और सभी प्रतिभागियों को इस बारे में जानकारी देने के बाद शुरुआती दौर । और ।। आयोजित किए गए।

राष्ट्रीय मूट-कोर्ट प्रतियोगिता के विजेता

1. विजेता - लॉ सेंटर ।।, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नकद पुरस्कार रु.60,000
2. उप विजेता - एसआरएम यूनिवर्सिटी, दिल्ली-एनसीआर, सोनीपत रु.25,000
3. सर्वश्रेष्ठ वक्ता - एसआरएम यूनिवर्सिटी, दिल्ली-एनसीआर, सोनीपत से राज ?5000
4. सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता - रिया चौधरी, एमिटी, नोएडा रु.5000
5. सर्वश्रेष्ठ मेमोरियल - जीएलए, मथुरा रु.5000

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अशोक कुमार द्वारा राज तरूण आफसेट, एलजीएफ 5-14, अंसल सिटी सेंटर, निकट यूपी प्रेस क्लब, हजरतगंज, लखनऊ से मुद्रित तथा ग्राम भुसना, पोस्ट भुसना, तहसील महमूदाबाद जनपद सीतापुर (उ0प्र0) से प्रकाशित। **सम्पादक : अशोक कुमार (मो. 9651086162)** । इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.वी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न सभी विवाद सीतापुर न्यायालय के आधीन होंगे।